DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दो बजे दोपहर

महाराष्ट्र का रण

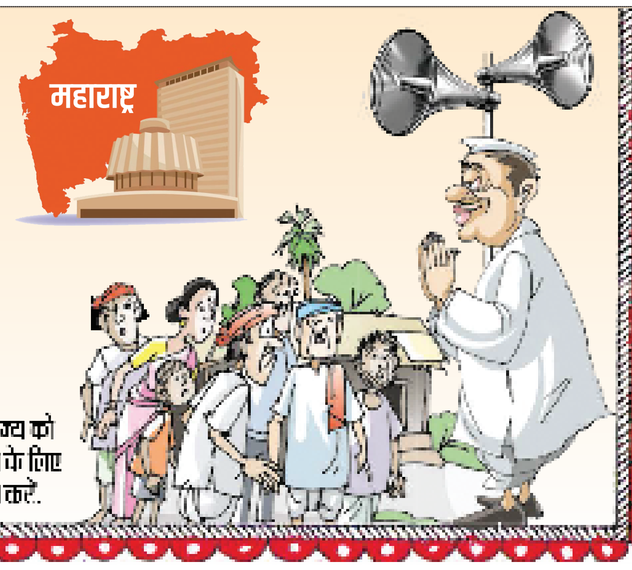

मतदाताओं से अपील

विधानसभा चुनाव आपके लिए एक अवसर है राज्य को गढ़ने का सवारने का. आपसे अपील है कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए खुद मतदान जरूर करें और सगे-संबंधियों को भी प्रेरित करें.

महाराष्ट्र चुनाव प्रचार में संयुक्त रैलियां करेगा एमवीए

- एकजुटता का संदेश देने की कोशिश
- छह नवंबर को साझा चुनावी गारंटियां

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

हरियाणा विधानसभा चुनाव से सबक लेते हुए कांग्रेस महाराष्ट्र में कोई गलती दोहराना नहीं चाहती है। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक दलों के बीच टिकट बंटवारे के बाद पार्टी ने अब चुनाव प्रचार की रणनीति को अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया है। एमवीए एकजुट होकर चुनाव प्रचार की तैयारी कर रहा है। प्रचार के दौरान घटक दलों के बड़े नेता कई साझा रैलियों को संबोधित करेंगे। इसकी शुरुआत छह नवंबर को मुंबई में संयुक्त रैली से होगी।

सभी वादे पूरे करने के दावे

महाराष्ट्र कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि एमवीए ने बहुत सोच विचार के बाद न्यूनतम साझा कार्यक्रम तय किया है। ताकि, प्रचार और सरकार के गठन के बाद एमवीए में वादों को लेकर कोई मतभेद नहीं हो। कर्नाटक सरकार के चुनावी वादों के पुनर्विचार वाले बयान के बारे में उन्होंने कहा कि एमवीए ने महाराष्ट्र की आर्थिक स्थिति का आकलन करने के बाद ही वादों की सूची तैयार की है। सरकार में आने पर एमवीए सभी चुनावी वादों को पूरा करेगा।

न्यूनतम साझा कार्यक्रम भी घोषित करेगा एमवीए

महा विकास अघाड़ी की छह नवंबर को मुंबई में होने वाली संयुक्त रैली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, वरिष्ठ नेता शरद पवार और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे शामिल होंगे। इस दौरान यह गठबंधन अपना न्यूनतम साझा कार्यक्रम भी घोषित करेगा, ताकि प्रचार के दौरान घटक दल एकजुट नजर आएं और उनके बीच किसी मुद्दे पर मतभेद नहीं हो। सभी दलों के नेता एक सुर में प्रचार करें। साझा कार्यक्रम में एमवीए मतदाताओं को कई चुनावी गारंटी दे सकता है। इनमें महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता, युवाओं के लिए बेरोजगारी भत्ता, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार के अवसरों में सुधार के साथ कुछ यूनिट तक मुफ्त बिजली का वादा कर सकते हैं। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि एमवीए में शामिल घटक दल अपनी-अपनी पार्टी का चुनाव घोषणापत्र जारी कर सकते हैं। पर घटक दलों के घोषणापत्रों में किए गए वादों में एमवीए का तालमेल नजर आएगा।

योगी आदित्यनाथ को मारने की धमकी देने वाली आईटी ग्रेजुएट महिला गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने के मामले में मुंबई पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 24 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है। महिला ने सीएम योगी को बाबा सिद्दीकी की तरह मारने की धमकी दी थी।

मुख्यमंत्री को दिया 10 दिन का समय

मामला तब सामने आया जब बीते शनिवार को मुंबई ट्रैफिक पुलिस के व्हाट्सएप नंबर पर एक अज्ञात नंबर से धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ। संदेश में कहा गया था कि अगर योगी आदित्यनाथ 10 दिनों के भीतर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो उन्हें एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की तरह मौत के घाट उतार दिया जाएगा।

आईटी से ग्रेजुएट है महिला

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी महिला की पहचान फातिमा खान के रूप में हुई है, जो ठाणे जिले के उल्हासनगर में अपने परिवार के साथ रहती है। फातिमा सूचना प्रौद्योगिकी में बीएससी की डिग्री धारक है और उसके पिता लकड़ी का व्यवसाय करते हैं। पुलिस के अनुसार, महिला शिक्षित होने के बावजूद मानसिक रूप से अस्थिर बताई जा रही है।

षड्यंत्र या मानसिक तनाव जांच में जुटी पुलिस

इस गंभीर धमकी को देखते हुए मुंबई एटीएस ने उल्हासनगर पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाया और आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 20 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के प्रचार के लिए राज्य का दौरा करने वाले हैं। गिरफ्तारी के बाद महाराष्ट्र पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा कर दिया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या इस धमकी के पीछे कोई बड़ा षड्यंत्र है या यह एक मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति का कृत्य है।

दो उम्मीदवारों का समर्थन करूंगा : जरांगे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने रविवार को कहा कि वह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पार्वती और दौंड निर्वाचन क्षेत्रों से दो उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों के नामों का खुलासा बाद में किया जाएगा। दोनों सीट पर वर्तमान में भाजपा का कब्जा है। भाजपा पर जरांगे मराठा आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगाते रहे हैं।

मेनिफेस्टो में शामिल करें आरक्षण, 10 हजार करोड़ का करें मुस्लिमों का बजट : रईस शेख

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/लातूर

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के भिवंडी में समाजवादी पार्टी विधायक और उम्मीदवार रईस शेख ने एमवीए मेनिफेस्टो कमिटी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम पृथ्वीराज चौहान को खत लिखा है। उन्होंने इस पत्र में मुस्लिम आरक्षण को मेनिफेस्टों में शामिल करने की बात कही है। साथ ही लव जिहाद कमिटी की जांच कराने की मांग की गई है। इसके अलावा उन्होंने पत्र में लिखा है कि सभी मुस्लिम भाई-बहनों के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का बजट रखा जाए। इस मांग को मुस्लिमों के लिए बजट में प्रावधान देने की मांग की है। महा विकास अघाड़ी यानि एमवीए महाराष्ट्र विधासभा चुनाव के पहले मुस्लिम वोटरों को साधने में पुरजोर कोशिश कर रही है।

आज नाम वापस लेने की अंतिम तारीख

- कई सीटों का सस्पेंस होगा खत्म

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से नाम वापस लेने का सोमवार को आखिरी दिन है। इसके साथ ही सोमवार शाम तक यह साफ हो जाएगा कि मुंबई सहित महाराष्ट्र की विभिन्न विधानसभा सीटों पर कितने उम्मीदवार चुनाव रण में शेष बचे हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों सहित राज्य की जनता की नजरें भी इस पर लगी रहेंगी। मुंबई की बोरीवली और माहिम सहित महाराष्ट्र की कुछ हाई प्रोफाइल सीटों को लेकर लोगों में कुछ ज्यादा ही उत्सुकता देखने को मिल रही है। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने 15 अक्टूबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के चुनावी कार्यक्रम की घोषणा की थी। इसके तहत 22 अक्टूबर को अधिसूचना जारी हुई थी। 29 अक्टूबर तक राज्य की 288 विधानसभा सीटों पर 7995 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था।

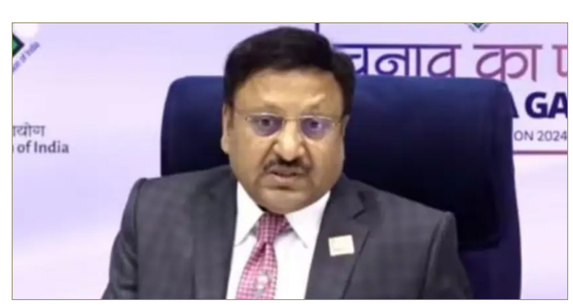

कई बागियों ने दाखिल किए नामांकन

नामांकन पत्रों की जांच के बाद 288 विधानसभा क्षेत्रों में 7 हजार 73 उम्मीदवारों के आवेदन वैध करार दिए गए। इनमें विभिन्न राजनीतिक दलों के वो असंतुष्ट बड़ी संख्या में शामिल थे, जिन्हें किन्हीं कारणों से उम्मीदवारी नहीं मिल सकी। हालांकि, अब अपने नाराज बागियों को मनाने के लिए सभी सियासी दलों एवं गठबंधनों में युद्धस्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। बागियों को मनाने में सियासी दलों और उनके नेताओं को कितनी कामयाबी मिली है, इसका उत्तर सोमवार मिलने की उम्मीद है।

बोरीवली व माहिम सीट पर रहेगी खास नज़र

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत आनेवाली बोरीवली विधानसभा सीट और मुंबई शहर अंतर्गत आनेवाली माहिम विधानसभा सीट पर लोगों की खास नजर है। बोरीवली में बीजेपी के उम्मीदवार संजय उपाध्याय के खिलाफ पार्टी के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी मैदान में उतर गए हैं। बताया जा रहा है कि उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और बीजेपी नेता विनोद तावडे ने गोपाल शेट्टी को मनाने का प्रयास रविवार को भी किया था, हालांकि गोपाल शेट्टी पीछे हटने को तैयार नहीं हुए।

सरवणकर को मनाने के प्रयास रहे जारी

इसी तरह माहिम से महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे के पुत्र अमित ठाकरे चुनावी राजनीति में कदम रखने जा रहे हैं। लेकिन, बीजेपी नीत महायुति में शामिल मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी ने अपने मौजूदा विधायक सदा सरवणकर को एक बार फिर से उम्मीदवार बनाया है। यहां अमित को समर्थन के लिए सीएम शिंदे और सरवणकर को मनाने का बीजेपी का प्रयास रविवार को भी जारी रहा।

बागी नेता विश्वजीत गायकवाड़ ने उदगीर सीट से नामांकन लिया वापस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/लातूर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बागी नेता विश्वजीत गायकवाड़ ने रविवार को कहा कि उन्होंने उदगीर विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन वापस लेने का फैसला किया है, जहां महायुति ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संजय बंसोडे को मैदान में उतारा है। एक संवाददाता सम्मेलन में गायकवाड़ ने कहा कि उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश का पालन किया है।

पेज 3 भी देखें

शरद के 'भाऊ बीज से अजित ने दूरी बनाई

डीबीडी संवाददाता | बारामती

एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने अपने परिजनों और समर्थकों के साथ रविवार को पुणे जिले के बारामती में भाऊ बीज त्योहार मनाया। वहीं, दीवाली समारोह की तरह ही इस बार उनके भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पारिवारिक आयोजन में शामिल नहीं हुए। एनसीपी प्रमुख पिछले साल इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। मालूम हो कि इस बार एनसीपी के दोनों गुट के दोनों प्रमुखों ने पहली बार अलग-अलग दीवाली समारोह आयोजित किया था।

मुंबई को झुग्गी-बस्ती मुक्त बनाएंगे : एकनाथ शिंदे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी बढ़ गई है. रविवार को राज्य के मुख्यमंत्री और शिवसेना के मुखिया एकनाथ शिंदे ने कुर्ला में चुनाव की पहली जनसभा की। जहां, उन्होंने पिछली सरकार पर जमकर हमला बोला। सीएम ने कहा कि राज्य की पिछली सरकार हफ्ता वसूली करने वाली सरकार थी। एकनाथ शिंदे ने कहा यह लोगों की सरकार है, आम लोगों की सरकार है, इसलिए हम देने वाले लोग है। हमने लाडली बहन योजना का एक महीने का इंस्टॉलमेंट एक महीने पहले ही दे दिया। सीएम ने कहा कि 23 नवंबर को अपना एटम बम फूटेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार एडवांस में देने वाली सरकार है। हम हफ्ते पर देने वाले लोग हैं। पिछली सरकार हफ्ते वसूली करने वाली सरकार थी। यही फर्क है हमारी सरकार में और पिछली सरकार में। हम देना जानते हैं और वो लेना जानते हैं। यह सरकार देना बैंक है और वो लेना बैंक हैं।

सीएम शिंदे गरीबी को लेकर उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा

पिछले कई सालों तक बीएमसी उद्धव ठाकरे के पास थी

एकनाथ शिंदे ने कहा कि पिछले दो सालों में हमने कई काम पूरे किए, मुंबई में कंक्रीट वाला रोड बना रहे हैं। अगले दो साल में मुंबई की पूरी सड़क कंक्रीट वाली हो जाएगी। मुंबई गड्ढा मुक्त हो जाएगी। रोड अच्छा होगा तो एक्सीडेंट नहीं होंगे। पिछले कई सालों में से बीएमसी उद्धव ठाकरे के पास थी तो फिर उन्होंने मुंबई को गड्ढा मुक्त क्यों नहीं किया। उन्होंने सिर्फ पैसे कमाने का काम किया मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने सिर्फ भ्रष्टाचार करने का काम किया है। आम लोगों का पैसा है इसलिए हम पूरे मुंबई को स्वच्छ बना रहे हैं। दीप क्लीन ड्राइव के लिए में मुख्यमंत्री रोड पर आते है, सड़क को धोने का काम किया है, पहले ये सब होता था क्या? मुंबई में प्रदूषण कम करना है, मुंबई में ट्रैफिक कम करना है।

महेश कुंडालकर को बताया ओपनिंग बैट्समैन

कुर्ला में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम ने महायुति के उम्मीदवार महेश कुंडालकर के लिए वोट मांगा। सीएम ने कहा कि कुंडालकर ओपनिंग बैट्समैन हैं। जितनी भीड़ आज आई है उसे देख के लग रहा है कि सामने वाले का डिपॉजिटजब्त हो जाएगा। दिवाली है इसलिए पटाखे फूट रहे हैं, 23 नवंबर को अपना एटम बम फूटेगा। सभा के बीच में सीएम ने महिलाओं से पूछा कि कितने लोगों के खाते में पैसा आया, जिनके खाते में नहीं आया है उनके खाते में भी पैसा आएगा, ये मैं वादा करने आया हूं। लाडली बहन योजना के खिलाफ ये विरोधी पक्ष के लोग कोर्ट में गए लेकिन कोर्ट ने फटकार लगा कर भगा दिया।

'ऐसा गुनाह 10 बार करने के लिए तैयार हूं'

एकनाथ शिंदे ने कहा MVA के नेता कहते हैं हमारी सरकार आएगी तो लाडली बहन योजना को बंद कर जांच करने की बात करते है और कहते है जो दोषी होगा उनके खिलाफ एक्शन लेकर जेल में डालेंगे। ये लोग तुम्हारे लाडले भाई को जेल में डालेंगे। ऐसे लोगों का क्या करना चाहिए? क्या लाडली बहन योजना बंद होने देंगे? क्या हमारे लोगों को जेल में जाने देंगे? मुझे गर्व है, अगर ये लाडली बहनों को पैसे देने वाले को जेल में डालेंगे तो मैं ऐसा गुनाह एक बार नहीं दस बार करने को तैयार हूं।

शिंदे बोले- हमने लोगों के लिए अच्छे इलाज की व्यवस्था की

शिवसेना नेता ने कहा कि हमने पूरे मुंबई में अपना दवाखाना बनाया गया है ताकि लोगों को अच्छा इलाज मिल सके। मुंबईकरों के लोगों का स्वास्थ्य अच्छा रखना हमारी जिम्मेदारी है और मुख्यमंत्री आपके साथ हैं। मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में से 2 सालों में 350 करोड़ रुपया लोगों को बांटे गए हैं। एक लाख लोगों की जान बचाई है। लोगों की मदद करना सरकार का काम होता है। इशारों ही इशारों में उद्धव ठाकरे पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार के लोग जेब में पेन नहीं रखते थे। मेरे पास दो दो पेन है, फटाफट सिग्नेचर करता हूं, इंक खत्म हो जाता है। ये जो पैसा है लोगों का है है और इस पर सबसे पहला हक लोगों का है। विरोधी दल के लोग लाडली बहन योजना को बंद करने की बात करते हैं। आने वाले दिनों में हम इस योजना की रकम को और बढ़ाएंगे।

INS विक्रांत मामले में किरीट सोमैया को बड़ी राहत

EOW की दूसरी क्लोजर रिपोर्ट में फिर मिली क्लीन चिट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 57 करोड़ रुपये की आईएनएस विक्रांत धोखाधड़ी मामले में भाजपा नेता किरीट सोमैया और उनके बेटे नील सोमैया को क्लीनचिट देते हुए दूसरी बार क्लोजर रिपोर्ट दायर की है। सोमैया पर आरोप है कि उन्होंने सेवामुक्त विमानवाहक पोत के संरक्षण के लिए जनता से दान एकत्र किया, लेकिन वह धनराशि महाराष्ट्र सरकार या राज्यपाल को ट्रांसफर नहीं किया। इस वर्ष की शुरुआत में भी आर्थिक अपराध शाखा ने इस मामले में क्लोजर रिपोर्ट दायर की थी। हालांकि, अदालत ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया तथा धन के स्त्रोत का पता लगाने के लिए जांच का आदेश दिया था।

57 करोड़ के लेनदेन का साक्ष्य नहीं

गवाहों ने दावा किया था कि उन्होंने सोमैया को पैसे दान किए थे। जांच पड़ताल के बाद ईओडब्ल्यू ने दूसरी क्लोजर रिपोर्ट दायर की है। इस रिपोर्ट में ईओडब्ल्यू ने कहा कि उसे कथित 57 करोड़ रुपये के लेन-देन का कोई साक्ष्य नहीं मिला। हालांकि, इसने 12,881 की छोटी राशि का पता लगाया, जिसे किरीट सोमैया ने कथित तौर पर 10 दिसंबर, 2013 को चर्चगेट रेलवे स्टेशन के पास आयोजित दान अभियान के दौरान एकत्र किया था। इस कार्यक्रम के बाद सोमैया ने महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल के. शंकरनारायणन से मुलाकात कर एकत्रित राशि उन्हें सौंप दी।

'लोकसभा चुनाव में 'साहेब' को खुश किया, इस बार मुझे प्रसन्न करें'

अजित पवार ने खेला इमोशनल कार्ड

डीबीडी संवाददाता | बारामती

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अजित पवार बारामती से चुनावी मैदान में है। उन्होंने अपना चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। पिछले दो दिनों ने अजित पवार बारामती में है। बारामती में चुनाव प्रचार के दौरान अजित पवार ने लोगों से एक अपील की है। उन्होंने अपने लिए मतदाताओं से समर्थन मांगा है।महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को बारामती के लोगों से विधानसभा चुनाव में उन्हें उसी तरह से खुश करने की अपील की, जैसे उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में 'साहेब' को किया था। 'साहेब' से अजित पवार का इशारा उनके चाचा शरद पवार की तरफ था।

क्या बोले अजित पवार?

अजित पवार ने कहा कि 'आपने लोकसभा चुनाव में 'साहेब' को खुश किया, अब विधानसभा चुनाव में मेरे पक्ष में मतदान कर मुझे प्रसन्न करें। 'साहेब' अपने तरीके से काम करेंगे, मैं अपने तहसील के विकास के लिए अपनी शैली में काम करूंगा।' एक अन्य गांव में लोगों से चर्चा के दौरान बारामती से प्रत्याशी अजित पवार ने दावा किया कि बारामती के लोगों को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने नियमों से परे जाकर काम किया।

लोकसभा चुनाव में पत्नी की हुई थी हार

लोकसभा चुनाव में बारामती में हुए एक 'हाई-प्रोफाइल' मुकाबले में एनसीपी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने अपने चचेरे भाई अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को करारी शिकस्त दी थी। जुलाई 2023 में अजित पवार के नेतृत्व में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कई नेता राज्य में एकनाथ शिंदे की शिवसेना-बीजेपी सरकार में शामिल हो गए थे, जिससे शरद पवार द्वारा स्थापित पार्टी दो हिस्सों में बंट गई थी।

भतीजे युगेंद्र से है अजित पवार का मुकाबला

एनसीपी प्रमुख अजित पवार 20 नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में पुणे जिले की बारामती विधानसभा सीट से किस्मत आजमा रहे हैं। अजित का मुकाबला उनके भतीजे और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) उम्मीदवार युगेंद्र पवार से है। युगेंद्र पवार ने 28 अक्टूबर को जब बारामती सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, तो शरद पवार और सुप्रिया सुले उनके साथ थे। अजित पवार रविवार को बारामती तहसील के कई गांवों में जाकर स्थानीय लोगों से मुलाकात कर कई मुद्दों पर बात की। इस दौरान सांवल गांव में स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए अजित पवार ने कहा कि 'अगर सुप्रिया लोकसभा चुनाव हार जातीं, तो साहेब (शरद पवार) को इस उम्र में कैसा महसूस होता, यही सोचकर आपने उन्हें वोट दिया, लेकिन अब विधानसभा चुनाव में मुझे वोट दें।'

झूठा मुकदमा दर्ज करने पर वंचित बहुजन आघाडी सड़क पर आंदोलन करेगी

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर विधानसभा 141 से वंचित बहुजन अघाड़ी के उम्मीदवार संजय गुप्ता को हर तरफ से भारी समर्थन मिल रहा है और अन्य उम्मीदवारों की नींद हराम हो गयी है। अपनी हार से घबराकर विरोधियों ने उनके खिलाफ साजिश रचनी शुरू कर दी है। कुछ दिन पहले उनके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज किया गया था। आशंका है कि आगे भी ऐसे झूठे मुकदमे दर्ज किये जाएंगे। वंचित बहुजन अघाड़ी के उल्हासनगर शहर के अध्यक्ष उज्जवल महाले ने चेतावनी दी कि अगर ऐसा हुआ तो वंचित बहुजन अघाड़ी सड़क पर उतरकर जोरदार विरोध प्रदर्शन करेगी। वंचित बहुजन अघाड़ी के उम्मीदवार संजय गुप्ता के खिलाफ नामांकन पत्र दाखिल करने से एक दिन पहले नवी मुंबई पुलिस स्टेशन में बलात्कार का मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में, अदालत ने उन की गिरफ्तारी से पहले उन्हें जमानत दी थी, ताकि वह अपनी उम्मीदवारी दाखिल कर सकें। इस मामलें में बहुजन वंचित आधाड़ी के प्रत्याशी संजय गुप्ता ने पत्रकारों से कहा की मुझे नामांकन फॉर्म भरने से रोकने, मेरी छवि खराब करने और चुनाव से दूर रखने के लिए मेरे खिलाफ यह झूठा मामला दायर किया गया है। उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे भी।

उल्हासनगर विधानसभा सीट

महायुति को मिला साईं पार्टी का समर्थन

MVA पर साधा निशाना

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

ठाणे जिले के उल्हासनगर शहर की राजनीति में विगत 14 वर्षों से सक्रिय व कई मौकों पर राजनीतिक उलटफेर करने की ताकत रखने वाली पार्टी यानि सेकुलर एलायंस ऑफ इंडिया अर्थात साईं पार्टी की अध्यक्ष आशा जीवन इदनानी ने उल्हासनगर विधानसभा के चुनाव में महायुति के उम्मीदवार कुमार आयलानी को समर्थन देने की घोषणा की है। साईं पार्टी का कहना है कि शहर हित में यह फैसला लिया गया है। उल्हासनगर के एक होटल में साईं पार्टी द्वारा कार्यकर्ता सम्मेलन व प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था, इस मौके पर साईं पार्टी ने महायुति को समर्थन देकर आगामी विधानसभा चुनावों में अपनी भूमिका स्पष्ट कर दी। इस दौरान साईं पार्टी के संस्थापक पूर्व उप महापौर जीवन इदनानी, हरेश इदनानी, सुनिल गंगवानी, इंदिरा उदासी, भाजपा उम्मीदवार कुमार आयलानी, जिलाध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी, प्रकाश माखीजा, राजेश वधारिया, जमनु पुरसवानी, महेश सुखरमानी, मनोहर खेमचंदानी आदि पदाधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। साईं पार्टी अध्यक्ष आशा जीवन इदनानी ने महायुति को समर्थन देने की घोषणा के साथ यह भी कहा कि उल्हासनगर मनपा क्षेत्र का अन्य शहरों की तर्ज पर विकास हो इसलिए साईं पार्टी ने सभी पदाधिकारियों की सहमति से यह निर्णय लिया गया है।

भाजपा जिलाध्यक्ष रामचंदानी ने उद्धव ठाकरे पर साधा निशाना

वहीं समर्थन देने के लिए साईं पार्टी आयोजित कार्यक्रम में बीजेपी के जिलाध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समय के अनुसार हर क्षेत्र में बदलाव आया है इससे राजनीति भी अछूती नहीं रही है। बीजेपी जिलाध्यक्ष रामचंदानी ने मंच से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का नाम लिए बिना एक उदाहरण देते हुए कहा कि जिन्हें गद्दार कहा जाता है वे मुख्यमंत्री बन जाते हैं। उनके इस बयान से काफी हंगामा मच गया है। अपने भाषण में उन्होंने उल्हासनगर मनपा में महापौर चुनाव का हवाला देते हुए अचानक कहा कि अब कोई गद्दार नहीं है, जिन्हें गद्दार कहा जाता है, वे मुख्यमंत्री बन जाते हैं। राजनीति की परिभाषा बदल गई है। कल जिन्हें हम गद्दार कहते थे, वे आज गद्दार नहीं रहे हैं। हमारी पार्टी में शामिल हुए। आज हम उन्हें खुद्दार कहते हैं। समय ने यह बदलाव किया है।

हिंदुत्व के मुद्दे पर हुए अलग

बीजेपी नेता प्रदीप रामचंदानी के बयान पर शिवसेना ने नाराजगी जताई। इसके बाद उन्होंने अपने बयान के लिए मांफी भी मांगी। बता दें कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हिंदुत्व के मुद्दे पर उद्धव ठाकरे से अलग हुए थे। एकनाथ शिंदे के अलग होने के बाद शिवसेना में विभाजन हुआ।

अंबिका मंदिर के पास एक दिन का शिशु मिला

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर के अंबिका नगर में रविवार सुबह एक दुखद और हृदयविदारक घटना सामने आयी है। जिंसमे उल्हासनगर अंबिका मंदिर के पास सुबह 5.30 बजे के आसपास एक बोरी में एक दिन के नवजात लावारिस शिशु मिला है। किसी अज्ञात ने इस शिशु को लावारिस स्थिति में मंदिर परिसर में छोड़ दिया था। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी जानकरी सामाजिक कार्यकर्ताओं को दिया। इस घटना से ने एक बार फिर मानवता को झकझोर दिया है। इस घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय नागरिकों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रंसामाजिक कार्यकर्ता संदीप डोंगरे और राकेश माने से संपर्क किया। ये दोनों सामाजिक कार्यकर्ताओ ने मौके पर पहुंचे और बच्चे की देखभाल की। इस सावधानीपूर्ण कार्य से उन्होंने समाज के सामने मानवता का एक महान उदाहरण प्रस्तुत किया। और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मार्गदर्शन में बच्चे को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में भर्ती कराने के बाद तुरंत बच्चे की मेडिकल जांच

की गई। डॉक्टरों के मुताबिक, बच्चे की सेहत ठीक है और उसे तुरंत जरूरी प्राथमिक उपचार दिया गया है। बच्चे के भविष्य के लिए आगे के इलाज की भी व्यवस्था की जाती है। इस घटना ने समाज में संवेदनशीलता की आवश्यकता को फिर से उजागर किया है। किसी भी मासूम शिशु को ऐसी हालत में छोड़ना समाज की नैतिकता के लिए एक चुनौती है। अंबिका मंदिर के पास मिली नवजात बच्ची का नाम 'अंबिका' रखा गया है। 'अंबिका' नाम की यह बच्ची अब नई जिंदगी का सफर शुरू कर रही है। स्थानीय पुलिस ने घटना की जांच का जिम्मा उठाया है और संबंधित व्यक्ति की तलाश के लिए आवश्यक जांच प्रक्रिया जारी है। ऐसी हृदयविदारक घटना दोबारा न हो, इसके लिए सभी को एकजुट होकर समाज में संवेदनशीलता और जागरूकता पैदा करने की जरूरत है।

सिविल अस्पताल में अनोखे अंदाज में मना भाऊबीज त्योहार

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे सिविल अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती मरीजों को दीपावली त्योहार मनाने के लिए मौका नहीं मिला था, जिससे मरीजों में मायूसी थी।मरीजों की इस मायूसी को लेकर अस्पताल में कार्यरत परिचारिका पुरुष मरीजों के साथ में भाऊबीज त्योहार मनाया। मरीजों में उत्साह के लिए यह छोटाकार्यक्रम किया गया। इसकी वजह से दीपावली पर्व के जैसा सिविल अस्पताल में माहौल दिखाई दिया। सिविल अस्पताल के जिला शल्य चिकित्सक डॉ। कैलाश पवार, अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ।धीरज महांगड़े के मार्गदर्शन में पुरुष मरीजों को डॉ।अर्चना पवार व अस्पताल की परिचारिका ने दीप जलाकर व मिठाई खिलाकर भाऊ बीज त्योहार मनाया। इस अवसर पर सर्जन डॉ। निशिकांत रोकडे, डॉ। विलास सालवे, डॉ। श्रीजित शिंदे, डॉ। सुषमा कांबले सहित अस्पताल की परिचारिका आदि उपस्थित रहीं। डॉ कैलाश पवार ने कहा कि अस्पताल में मरीजों को अच्छे दर्जे का उपचार मिले इसके लिए सदैव तत्पर रहता हूं ताकि मरीजों के भीतर उत्साह का वातावरण रहे और वह हसंते हुए दिखाई दें। दीपावली पर्व पर उपचार के लिए भर्ती मरीजों को आनंदित करने के लिए यह छोटा सा कार्यक्रम किया गया। इससे मरीजों के भीतर उत्साह देखने को मिला। अस्पताल में उपचार के लिए पिछले चार पांच दिन से भर्ती मरीज अर्जुन निंबालकर ने अस्पताल के चिकित्सक और परिचारिका का मरीजों के साथ में त्योहार मनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

गली में पेशाब करने पर युवक ने पीटा

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

भिवंडी शहर में मूत्रालय न होने के कारण लोग सड़क के किनारे तथा गली कूचों में पेशाब करने पर मजबूर हैं। कल रात 1 बजे के करीब कोबंलपाड़ा निवासी सुनील मदनलाल केसरवानी को जोर की पेशाब आई थी, जो कल्याण नाका स्थित टोरेंट पावर कार्यालय के पीछे गली में पेशाब करने लगे। तभी वहां से जा रहे 26 वर्षीय अज्ञात युवक ने सुनील केसरवानी से कहा तू इधर पेशाब क्यों कर रहा है तुमको दिखता नहीं है क्या? पेशाब कर रहे सुनील ने युवक से कहा तुझे क्या करना है। बस इसी बात से नाराज युवक ने पेशाब कर रहे व्यक्ति की पिटाई करना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं युवक ने उसे जमीन पर पटक कर लात घूसों से पीट वहां से फरार हो गया है। शहर पुलिस ने सुनील केसरवानी की शिकायत पर अज्ञात युवक के खिलाफ बीएनएस की धारा 118(1), 352 के तहत मामला दर्ज कर युवक को तलाश रही है। मामले की जांच पुलिस हवलदार मढ़वी कर रहे हैं।

दो पटाखा स्टॉल पर कार्रवाई, हजारों रुपए का पटाखा जब्त

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन ने दो अन्य जगहों पर अनाधिकृत रूप से पटाखा स्टॉल लगाने वाले दो लोगों को गिरफ्तार कर 10 हजार 640 रुपए कीमत के विभिन्न प्रकार का पटाखा जब्त कर विस्फोटक अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को दोपहर 12:30 बजे पद्मनगर स्थित मोनिका बार के सामने शहर पुलिस ने अवैध रूप से पटाखा स्टॉल लगा कर पटाखों की बिक्री करने वाले रिंकू श्रीकृष्ण केसरवानी (35)

को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस ने उक्त कार्रवाई में 5 हजार 550 रुपए कीमत का पटाखा भी जब्त कर लिया है। इसी तरह दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने भिवंडी महानगर पालिका के सामने काप आली के सामने बिना लाइसेंस पटाखा स्टॉल लगाने वाले नूर कॉम्प्लेक्स गैबीनगर निवासी फैजल आलम अंसारी (24) को गिरफ्तार कर वहां से 5 हजार 90 रुपए कीमत के विभिन्न प्रकार का पटाखा जब्त कर लिया है। दोनों कार्रवाई में कुल 10 हजार 540 रुपए का पटाखा पुलिस ने जब्त कर गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 223, 288, 125 व विस्फोटक अधिनियम कलम के तहत मामला दर्ज उन्हें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कलम 35(3) के तहत नोटिस देकर छोड़ दिया है। पुलिस द्वारा उक्त कार्रवाई से पटाखा की बिक्री करने वाले अन्य लोगों में हड़कंप मच गया है।

मनपा क्षेत्र के अंतर्गत दीपावली पर्व पर ग्रीन पटाखों की बढ़ी मांग

हवा की गुणवत्ता व प्रदूषण रहा नियंत्रण

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मनपा प्रदूषण नियंत्रण विभाग की ओर से दीपावली पर्व पर हवा की गुणवत्ता की जांच त्यौहार के पूर्व व वर्तमान में की गई।इस साल ग्रीन फटाकों का अधिक उपयोग किया गया, जिसके कारण वातावरण में धुंधला प्रमाण 165 ug/m मापा गया। वही 2022 में 245 ug/m व 2023 में 230 ug/m था।दीपावली पर्व से पहले हवा की गुणवत्ता 127 थी और दीपावली पर 190 जांच के दौरान पाया गया। नागरिकों ने दीपावली पर्व को बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस दौरान आतिशबाजी बड़े पैमाने पर की गई।इस दौरान पटाखों का सबसे अधिक तीव्रता 84 डेसिबल पाया गया। दीपावली पर्व से पहले 71 डेसिबल तीव्रता थी। मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनिषा प्रधान, उप पर्यावरण अधिकारी विद्या सावंत व जूनियर केमिस्ट निर्मिती सालगावकर की टीम ने हवा की गुणवत्ता व ध्वनि प्रदूषण की जांच किया। वहीं दीपावली पर्व के पहले महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी आनंद कटोले ने 17 किस्म के पटाखों को फोड़कर जांच में 108 डेसिबल पाया गया था। लेकिन मनपा के जांच में 84 डेसिबल तीव्रता को लेकर संशय है। इस विषय पर बातचीत करने के लिए मनपा मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान से संपर्क करने पर उन्होंने मोबइल फोन रिसीव नहीं किया।

डोंबिवली के पास दावडी और आडीवली ढोकली में बलिप्रतिपदा के दिन गायों की पूजा

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

ठाणे जिले में बलिप्रतिपदा के दिन मवेशियों को आग में कुदाने की प्रथा है। इस दिन घरेलू पशुओं की पूजा की जाती है और उन्हें जलती घास के ढेर से कूदाया जाता है। किसानों का मानना है कि इससे पशुओं का स्वा स्थ्य साल भर अच्छा रहता है। फोटो में दिखाई दे रहे इस बैल का नाम मथुर बैल हैं, महारा ष्ट्र के बैलगाडी दौड़ प्रतियोगिता मे कई इनाम जीते है इसके मालिक राहुल पाटील जो अपने मथुर बैल की एक बच्चे की तरह सेवा करते है। दिवाली का दूसरा दिन बलिप्रतिपदा है। ठाणे जिले के ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ डोंबिवली शहर, दावडी गांव और आदिवली ढोकली गांवों में, बालीप्रतिपदा के दिन बड़ी संख्या में गायों की पूजा की जाती है। वर्षा ऋतु के बाद दिवाली के

समय कृषि कार्य प्रारम्भ किया जाता है। दिवाली के समय धन्य घर आते हैं। इस समय जानवरों का काम एक बार फिर शुरू हो जाता है। इसीलिए हर साल बलिप्रतिपदा के दिन जानवरों को स्नान कराकर उनकी पूजा की जाती है। इसके बाद गांव में घास के ढेरों में आग लगा दी जाती है और उसमें से इन मवेशियों को कुदाया जाता है ऐसा करने से पशु के शरीर पर मौजूद कीड़े-मकौड़े, कीटाणु मर जाते हैं और उन्हें कोई बीमारी नहीं होती है। किसानों का मानना है कि आने वाले साल में मवेशियों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। यह प्रथा ठाणे और रायगढ़ जिलों में और मुख्य रूप से आगरी समुदाय में कई वर्षों से अपनाई जा रही है।

दिवाली के बाद उठाया 31 टन कचरा

मनपा कर्मियों ने रातभर चलाया विशेष सफाई अभियान

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

दिवाली के दिन बड़ी संख्या में पटाखे फोड़ने की वजह से सामान्य दिनों की तुलना में सड़कों पर कूड़ा-कचरा अधिक बढ़ जाता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में मनपा के दोनों परिमंडल के तहत आने वाले क्षेत्रों में 1 नवंबर को रात 11 बजे से 2 नवंबर की सुबह 4 बजे तक विशेष सफाई अभियान चलाया गया, जिसके तहत 10 टन 500 किलो गीला और 20 टन 600 किलो सूखा कचरा उठाया गया। इस कचरे में विशेष

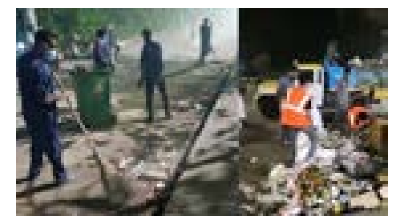

रूप से पटाखे, कागज, कार्ड बोर्ड और कपड़े एकत्र किए गए। इस तरह एकत्रित किए गए 31 टन 100 किलो कचरे को वाहनों की मदद से मनपा के तुर्भे स्थित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना स्थल पर पहुंचाया गया।

400 कर्मियों ने पूरी रात की सफाई

इस विशेष सफाई अभियान के लिए मनपा के 400 से अधिक सफाई कर्मियों एवं पर्यवेक्षकों को विशेष रूप से नियुक्त किया गया था। इस अभियान के तहत जमा किए गए कचरे को 12 कचरा कॉम्पैक्टर और 15 मिनी टिपर वाहनों के माध्यम से तुर्भे स्थित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना स्थल पर पहुंचाया गया। आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग ने रात 12 बजे से लेकर सुबह तक यह अभियान चलाया और शहर को साफ किया। इस दौरान सुबह-सुबह साफ सुथरी सड़के देखकर यहां के लोग भी हैरान रह गए। सफाई अभियान की सुबह मॉर्निंग वॉक पर आए नागरिकों ने इस कार्य के लिए मनपा की जमकर सराहना की। गौरतलब है कि दिवाली से पहले स्वच्छ, पर्यावरण अनुकूल और प्लास्टिक मुक्त दिवाली मनाने की अपील मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे द्वारा की गई थी।

एम.जे.पंडित चैरिटेबल ट्रस्ट और दिलासा फाउंडेशन द्वारा दीपावली स्नेह मिलन संपन्न

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

कल्याण के सोनावणे कॉलेज में रविवार दोपहर 12 बजे एम.जे.पंडित चैरिटेबल ट्रस्ट और दिलासा फाउंडेशन द्वारा दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। जिसमें कल्याण के बहुतांश अखबारों और मीडिया चैनल के संपादक,वरिष्ठ संवाददाता और प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर सृजन संस्था के अध्यक्ष रामचंद्र पांडेय,हिंदी भासी जनता परिषद के अध्यक्ष विश्वनाथ नन्हे दूबे,अग्रवाल कॉलेज के ट्रस्टी कांति जैन,सोनावणे कॉलेज के ट्रस्टी श्रीचन्द केसवानी और सुनील कुकरेजा उपस्थिति हुए। एम.जे.पंडित ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय पंडित ने सभी आए हुये मान्यवरों का दीपावली का उपहार और भेंट वस्तु देकर यथोचित सम्मान किया। दिलासा फाउंडेशन की अध्यक्षा डॉ. पद्मिनी कृष्णा ने संस्था के क्रिया कलापों की जानकारी दी और संस्था के कार्यो पर प्रकाश डाला।

आज मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भिवंडी में

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे विधानसभा चुनाव को लेकर आज भिवंडी में आयोजित एक सभा में शामिल होने वाले हैं। जिसकी जानकारी देते हुए शिवसेना ठाणे जिला ग्रामीण प्रमुख प्रकाश पाटिल, भिवंडी पूर्व विधानसभा उम्मीदवार संतोष शेट्टी ने संयुक्त रूप से पत्रकार परिषद में जानकारी देते हुए पत्रकारों को बताया कि भिवंडी शहर के कमातघर स्थित काटेकर ग्राउंड में एक सभा का आयोजन किया गया है। जिसमें लगभग 15000 लोग शामिल होने वाले है। इस सभा में प्रमुख रूप से सभी समुदाय की महिलाएं भारी संख्या में भाग लेने वाली है जो लाडली बहन योजना की सफलता और मुख्यमंत्री द्वारा किए गए कार्यों पर उनकी प्रशंसा करने के लिए योजना की लाभार्थी महिलाएं अपने आशीर्वाद के साथ मुख्यमंत्री को सम्मानित करेंगे।

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
दो बजे दोपहर

'महायुति में नहीं कोई मतभेद'

माहिम सीट पर विवाद को लेकर आठवले ने पेश की सफाई

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

माहिम विधानसभा सीट को लेकर सत्तारूढ़ महायुति में चल रही मतभेदों की खबरों पर केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने सफाई पेश की है। रविवार को मुंबई में मतभेद की खबरों का खंडन करते हुए उन्होंने कहा कि इस सीट पर तीन बार के विधायक रह चुके सरवणकर अमित ठाकरे से ज्यादा मजबूत उम्मीदवार हैं।

उल्लेखनीय है कि माहिम विधानसभा सीट पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता अमित ठाकरे का मुकाबला शिवसेना के सदानंद सरवणकर से होगा। इस दौरान रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) प्रमुख ने अमित ठाकरे को लेकर कहा कि वे अभी पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं और उनकी एकमात्र योग्यता यह है कि वह मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बेटे हैं। बता दें कि आगामी विधानसभा चुनाव में अमित ठाकरे पहली बार चुनाव लड़ने जा रहे हैं, जबकि सरवणकर माहिम से दूसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) महायुति के सहयोगी दलों में से एक है। महायुति में भाजपा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) और शिवसेना शामिल हैं।

सरवणकर मजबूत उम्मीदवार

ऐसी खबरें आ रही थी कि इस सीट से भाजपा मनसे उम्मीदवार का समर्थन करना चाहती है। वहीं, शिवसेना नेता सरवणकर ने कहा है कि वह मैदान से पीछे नहीं हटेंगे। बातचीत के दौरान आठवले ने कहा, "बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक और इंदु मिल माहिम निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं और मुझे नहीं लगता कि सरवणकर पर दबाव डालना अच्छा है। वह मौजूदा विधायक हैं तथा अमित ठाकरे से मजबूत उम्मीदवार हैं और वह जीतेंगे।"

मतभेदों के खबरों पर नहीं की टिप्पणी

इस दौरान जब आठवले से भाजपा द्वारा मनसे उम्मीदवार का समर्थन किए जाने पर पूछा गया तो उन्होंने इस बारे में कुछ भी कहने से इंकार कर दिया और कहा कि सरवणकर महायुति के आधिकारिक उम्मीदवार हैं। आठावले ने आगे कहा, "अमित ठाकरे ने माहिम निर्वाचन क्षेत्र में कोई काम नहीं किया है और उनकी एकमात्र योग्यता यह है कि वह राज ठाकरे के बेटे हैं। वह अभी राजनीति में आए हैं और भविष्य में उन्हें बहुत कुछ करना है।"

बागियों से मुलाकात कर रहे सीएम शिंदे

कई निर्वाचन क्षेत्रों में बागी उम्मीदवारों द्वारा गठबंधन को नुकसान पहुंचाने की संभावना के बारे में जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा, "जब भी बागी चुनाव लड़ते हैं, तो इससे नुकसान होता है। इसका हरियाणा में कांग्रेस पर असर पड़ा है। मुझे लगता है कि कल 99 प्रतिशत बागी अपना नाम वापस ले लेंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अन्य नेता इन उम्मीदवारों से मिल रहे हैं।" गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होने हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

भाजपा को राहत

▪ बागी नेता विश्वजीत गायकवाड़ ने उदगीर सीट से नामांकन लिया वापस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/लातूर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बागी नेता विश्वजीत गायकवाड़ ने रविवार को कहा कि उन्होंने उदगीर विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन वापस लेने का फैसला किया है, जहां महायुति ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संजय बंसोडे को मैदान में उतारा है। एक संवाददाता सम्मेलन में गायकवाड़ ने कहा कि उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश का पालन किया है।

लातूर के विधायक संभाजीराव पाटिल निलंगेकर ने कहा कि गायकवाड़ एक समर्पित पार्टी कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने हमेशा पार्टी के निर्देशों का सम्मान किया है और अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। राज्य में महायुति सरकार को फिर से सत्ता में लाने के लिए उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है।

लातूर लोकसभा से टिकट मांगा था

विश्वजीत गायकवाड़ पूर्व भाजपा सांसद सुनील गायकवाड़ के भतीजे हैं। उन्होंने लातूर लोकसभा से टिकट मांगा था, लेकिन पार्टी ने सुधाकर श्रृंगारे को फिर से उम्मीदवार बनाया, जो 2024 के आम चुनाव में कांग्रेस के शिवाजी कालगे से हार गए थे।

अन्य बागी नेताओं के साथ चर्चा जारी: निलंगेकर

निलंगेकर ने कहा कि अन्य बागी नेताओं के साथ चर्चा जारी है, जिन्होंने आधिकारिक महायुति उम्मीदवारों के खिलाफ पर्चा भरा है और उनके नामांकन वापस लेने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि लातूर जिले के सभी छह निर्वाचन क्षेत्रों में चुनावी लड़ाई सीधे महायुति और महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन के बीच होगी। राकांपा उम्मीदवार और मंत्री बनसोडे ने उदगीर में गायकवाड़ द्वारा किए गए कार्यों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि सीट राकांपा को आवंटित की गई है और सत्तारूढ़ गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक सीट रणनीतिक महत्व रखती है।

महाराष्ट्र चुनाव में टीम इंडिया जैसा न हो जाए हाल: प्रफुल पटेल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल पटेल ने चुनावी माहौल के कनेक्शन टीम इंडिया की हार से जोड़ दिया और कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की स्थिति टीम इंडिया जैसी हो जाएगी, जो न्यूजीलैंड को हल्के में लेने के चक्कर में निपट गयी। साथ ही कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस का हाल कहीं हरियाणा जैसा ही न हो जाए। इसलिए कांग्रेस को अति उत्साही नहीं होना चाहिए। चुनाव से पहले परिणाम तय मान लेना बुद्धिमानी नहीं है।

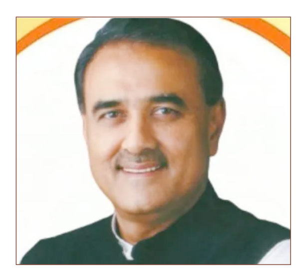

कांग्रेस पर निशाना

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल पटेल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी का अति-आत्मविश्वास उसे महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में हरियाणा जैसा हाल झेलने पर मजबूर कर देगा। क्रिकेट के उदाहरण से कांग्रेस को सीख देते हुए पटेल ने भारतीय क्रिकेट टीम की न्यूज़ीलैंड से अप्रत्याशित हार का जिक्र किया और कहा, "आत्मविश्वास अच्छा है, लेकिन हकीकत की जांच और भी बेहतर है।" क्रिकेट के इस उदाहरण से पटेल ने कांग्रेस पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि 'भारतीय टीम की हार ने विनम्रता का सबक दिया', जो कांग्रेस को आगामी महाराष्ट्र चुनावों में अति-आत्मविश्वास से आगाह करने का संकेत है। प्रफुल पटेल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस अब महाराष्ट्र में भी उसी राह पर दिख रही है।

NCP नेता नवाब मलिक के दामाद समीर खान का निधन

▪ सड़क हादसे के बाद डेढ़ माह से अस्पताल में चल रहा था इलाज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

एनसीपी के नेता और पूर्व मंत्री नवाब मलिक के दामाद समीर खान का रविवार को निधन हो गया है। 17 सितंबर को नवाब मलिक के दामाद समीर खान को एक्सीडेंट हुआ था तब से वह अस्पताल में भर्ती थे। इस हादसे के समय समीर की पत्नी निलोफर मलिक भी उनके साथ मौजूद थीं। निलोफर को भी हल्की चोटें आई थीं। समीर खान के निधन से नवाब मलिक के परिवार में शोक व्याप्त हो गया है। समीर के निधन की जानकारी देते हुए नवाब मलिक ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा "मेरे दामाद समीर खान का निधन हो गया है। अल्लाह उन्हें जन्नत में सबसे ऊंची जगह दे। चूंकि हम इस क्षति पर शोक मना रहे हैं, अगले दो दिनों के लिए मेरे सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं। आपकी समझ के लिए धन्यवाद, कृपया उसे अपनी प्रार्थनाओं में रखें।"

ड्रायवर की गलती से हुआ था एक्सीडेंट

बता दें कि नवाब मलिक के दामाद समीर और नवाब मलिक की बेटी निलोफर इसी साल 17 सितंबर को अपने घर के पास कृति केयर अस्पताल में नियमित जांच के लिए गए थे। चेकअप के बाद समीर बाहर आए और अपने ड्राइवर से कार लाने के लिए कहा। कार लाते समय ड्राइवर ने गलती से ब्रेक की जगह एक्सीलेटर पर पैर रख दिया और कार समीर से टकरा गई। समीर को लेकर कार दीवार से जा टकराई। इस हादसे में समीर खान को घायल हो गए थे। कई जगह फैक्चर थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका ऑपरेशन भी हुआ था।

देश में पहले से ही कपास का बड़ा स्टॉक आयात पर बैन लगाए सरकार: पटोले

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने केंद्र सरकार से कपास के आयात पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है। इस संबंध में नाना पटोले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा कि इससे किसान प्रभावित हो रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कपास की खरीद 7,122 रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर किए जाने की मांग भी की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे अपने पत्र में पटोले ने कहा कि कपास उत्पादन के मामले में महाराष्ट्र देश में दूसरे नंबर पर है। महाराष्ट्र के 40 लाख से ज्यादा किसान कपास की खेती करते हैं। पत्र में उन्होंने कहा, ''राज्य में पर्याप्त कपास उत्पादन के बावजूद 22 लाख गांठ कपास के आयात की खबरें हैं। इससे घरेलू स्तर पर कपास की कीमतों में भारी गिरावट की संभावना है।"

देश में पहले से कपास का बड़ा स्टॉक

पत्र में पीएम को संबोधित करते हुए पटोले ने कहा, जब देश में पहले से ही इतना बड़ा स्टॉक है, तब कपास का आयात करने से भारतीय कपास मार्केट को नुकसान होगा। इससे किसानों को नुकसान होगा और व्यापारियों को फायदा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के कपास किसान पहले ही कम कीमतों, कृषि उपकरण पर 12 से 18 प्रतिशत जीएसटी और बेमौसम बारिश के कारण मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस नेता कहा कि प्रतिकूल मौसम के कारण इस साल 19 लाख हेक्टेयर में बोई गई कपास की फसल को नुकसान पहुंचा है।

आयात पर तुरंत प्रतिबंध लगाए सरकार

कांग्रेस नेता ने कहा कि भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के पास भी कपास का एक बड़ा स्टॉक है। इसलिए किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार को कपास के आयात पर तुरंत प्रतिबंध लगाना चाहिए और सीसीआई को गारंटी वाले मूल्य पर कपास खरीदने का निर्देश देना चाहिए। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने आगे कहा, मौजूदा कपास की कीमत 6,500 से 6,600 रुपये प्रति क्विंटल के बीच है, जो 7,122 रुपये के MSP से कम है। कांग्रेस नेता ने दावा करते हुए कहा कि बाजार में कम कीमत होने की वजह से किसान कपास बेचने से बच रहे हैं। जबकि कपास का स्टॉक किसानों के साथ-साथ सीसीआई के पास भी है।

पुणे और सोलापुर मंडल पर दिवाली और छठ पूजा पर विशेष ट्रेन

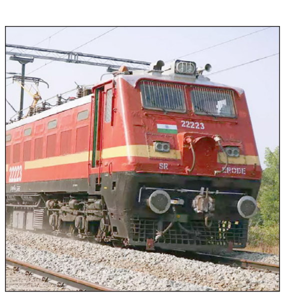

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल त्यौहारी सीजन के दौरान यात्रा करने वाले यात्रियों की भारी मांग को देखते हुए प्रतिदिन विभिन्न गंतव्यों के लिए दिवाली / छठ पूजा त्यौहार विशेष ट्रेनें चला रहा है।

04.11.2024 को चलने वाली त्यौहार विशेष ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

पुणे मंडल

• 01201 नागपुर-पुणे एसी स्पेशल नागपुर से 19.40 बजे रवाना होगी और पुणे 11.25 बजे पहुंचेगी। • 01421 दौंड-कलबुर्गी स्पेशल दौंड से 5.00 बजे रवाना होगी। • 01430 हडपसर-लातूर स्पेशल हडपसर से 15.30 बजे रवाना होगी। • 04725 हडपसर-हिसार स्पेशल हडपसर से 14.15 बजे रवाना होगी। • 01205 पुणे-दानापुर 15.30 बजे पुणे से रवाना होगी। • 01409 पुणे-जोधपुर 19.30 बजे पुणे से रवाना होगी। • 01415 पुणे-गोरखपुर पुणे से 06.50 बजे रवाना होगी। • 01451 पुणे-करीमनगर पुणे से 22.45 बजे रवाना होगी। • 01481 पुणे-दानापुर पुणे से 19.55 बजे रवाना होगी।

सोलापुर मंडल

• 01422 कलबुर्गी-दौंड कलबुर्गी से 16.10 बजे रवाना होगी और दौंड 22.20 बजे पहुंचेगी। • 01429 लातूर-हडपसर स्पेशल लातूर से 09.30 बजे रवाना होगी और हडपसर 15.30 बजे पहुंचेगी।

पश्चिम रेलवे चलाएगी तीन जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए विशेष किराये पर बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर-वलसाड, उधना - जयनगर -उज्जैन और साबरमती-पटना के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है।

• ट्रेन संख्या 09093/09094 बांद्रा टर्मिनस – गोरखपुर – वलसाड अनारक्षित स्पेशल [2 फेरे]

• ट्रेन संख्या 09093 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर स्पेशल रविवार, 3 नवंबर, 2024 को बांद्रा टर्मिनस से 04.40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18.00 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09094 गोरखपुर- वलसाड स्पेशल सोमवार, 4 नवंबर, 2024 को गोरखपुर से 22.00 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को 06.00 बजे वलसाड पहुंचेगी।ट्रेन नंबर 09093 का बोरीवली, पालघर, दहानू रोड, वापी और वलसाड स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

• ट्रेन संख्या 09039/09040 उधना - जयनगर -उज्जैन अनारक्षित स्पेशल [2 फेरे]

• ट्रेन संख्या 09039 उधना - जयनगर स्पेशल रविवार, 3 नवंबर, 2024 को उधना से 07.25 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 02.00 बजे जयनगर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09040 जयनगर -उज्जैन स्पेशल मंगलवार, 5 नवंबर, 2024 को जयनगर से 05.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.00 बजे उज्जैन पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 09039 का सूरत, सायन, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम और उज्जैन स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

• ट्रेन सं. 09463/09464 साबरमती-पटना स्पेशल [2 फेरे]

• ट्रेन संख्या 09463 साबरमती-पटना स्पेशल रविवार, 3 नवंबर, 2024 को साबरमती से 18.00 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 10.00 बजे पटना पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09464 पटना-साबरमती स्पेशल मंगलवार, 5 नवंबर, 2024 को पटना से 13.00 बजे प्रस्थान करेगी और गुरुवार को 05.30 बजे साबरमती पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 09463 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर खुली है।

नदियों के ऊपर से गुजरेगी बुलेट ट्रेन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारत में बन रहा पहला बुलेट ट्रेन कॉरिडोर काफी ख़ास है। इस प्रोजेक्ट में कई नई तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह ट्रेन, नदियों के ऊपर और खाड़ी के निचे से गुजरेगी। इसी कड़ी में कई नदी पुलों का निर्माण पूरा कर लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए वापी और सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच सभी नौ नदी पुलों का निर्माण पूरा कर लिया गया है।

इसी के साथ गुजरात राज्य में बनाए जाने वाले 20 नदी पुलों में से 12 पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। अधिकारी ने बताया कि खरेरा नदी पुल 120 मीटर लंबा है, जिसे 40 मीटर के तीन फुल-स्पैन गर्डरों द्वारा सहारा दिया गया है। इसके खंभे 14.5 से 19 मीटर ऊंचे हैं और इसमें 4 मीटर का एक गोलाकार खंभा और 5 मीटर व्यास के तीन खंभे शामिल हैं। यह पुल वापी और बिलिमोरा स्टेशनों के बीच स्थित है, जो वापी से लगभग 45 किलोमीटर और बिलिमोरा से 6 किलोमीटर दूर है।

मुंबई-अहमदाबाद रूट पर 12 पुल तैयार

इन नदियों पर बने है पुल

बता दें कि वापी-सूरत खंड पर बने नौ पुल, खरेरा, कोलक, पार, औरंगा, पूर्णा, मिंधोला, अंबिका, कावेरी और वेंगानिया नदियों पर बने हैं, जो वलसाड और नवसारी सहित कई जिलों को कवर करते हैं। इसके अलावा, इस खंड के बाहर तीन अन्य नदी पुल भी पूरे हो चुके हैं। वडोदरा जिले में ढाढर नदी पर, खेड़ा जिले में मोहर नदी पर और खेड़ा जिले में वत्रक नदी पर है।

2 घंटे में होगा मुंबई से अहमदाबाद का सफर

508 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के पूरा होने के बाद, मुंबई और अहमदाबाद के बीच की दूरी लगभग दो घंटे हो जाएगी, जो वर्तमान छह घंटे की यात्रा से कम होगी। इस कॉरिडोर का उद्देश्य देश के दो सबसे बड़े आर्थिक केंद्रों को 320 किमी/घंटा की गति से जोड़कर भारत में हाई-स्पीड रेल यात्रा को बदलना है।

61 फीसदी पूरा हुआ फाइनेंशियल प्रोग्रेस

इस प्रोजेक्ट पर अब तक 66 हजार 326 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं, जिसकी लागत 1 लाख आठ हजार करोड़ रुपए है। यानी सितंबर महीने तक 61 प्रतिशत आर्थिक प्रगति हो चुकी है।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस जोधपुर के बीच त्यौहार विशेष ट्रेन चलाएगा

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियां	प्रस्थान	आगमन
04810	बांद्रा टर्मिनस - जोधपुर (सुपरफास्ट साप्ताहिक)	05.11.2024 से 19.11.2024	20:00 बजे (मंगलवार)	21:15 बजे (अगले दिन)
04809	जोधपुर-बांद्रा टर्मिनस (सुपरफास्ट साप्ताहिक)	04.11.2024 से 18.11.2024	16:30 बजे (सोमवार)	18:15 बजे (अगले दिन)

ठहराव: बोरीवली, सूरत, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, जयपुर, फुलेरा, नवा सिटी, कुचामन सिटी, मकराना, डेगाना और मेरता रोड स्टेशन दोनों दिशाओं में।

संरचना: एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच.

ट्रेन संख्या 04810 की बुकिंग 04.11.2024 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी. ठहराव और संरचना के समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं.

उपर्युक्त ट्रेनें विशेष किराए पर विशेष ट्रेनों के रूप में चलेंगी.

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
लाइक करें : facebook.com/WesternRly • फॉलो करें : X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएं.

संपादकीय

जिम्मेदारी का करें अहसास

पहले से ही उम्मीद थी कि दीपावली के बाद प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होगी, वैसा हुआ भी। पहले से ही दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण का संकट बढ़ा हुआ था। सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणियां बार-बार हमारा ध्यान खींचती रहीं। पिछले दिनों खबर आई कि दिल्ली दुनिया की सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार देश के सर्वाधिक प्रदूषित 32 शहरों में ग्यारह हरियाणा के हैं। यही वजह है कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों को फटकार लगाई कि प्रदूषण रोकने के लिये जमीनी स्तर पर प्रयास न के बराबर हैं। दरअसल, इस मौसम में हर साल ठंड शुरू होते ही हवा की दशा-दिशा में बदलाव के साथ ही आसमान में धुएं की परत जमने लगती है। यही वजह है कि पराली संकट व अन्य कारणों से बढ़ते प्रदूषण से चिंतित सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि सिर्फ सरकारी प्रयासों से ही प्रदूषण की समस्या का समाधान संभव नहीं है। यह स्थिति तभी बदलेगी जब लोगों की तरफ से भी ईमानदार पहल होगी। अब चाहे बात राष्ट्रीय सरोकारों की हो, पानी संकट की हो या फिर प्रदूषण की हो। जब नागरिकों को अहसास होगा कि बिना पटाखे छुड़ाए भी खुशी मनायी जा सकती है तो हम समाज के लोगों, जीव-जंतुओं व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकेंगे। बात तब बनेगी जब हम बच्चों के पाठ्यक्रम में यह बात शामिल करेंगे कि उनके भविष्य के लिये पर्यावरण, पानी व हवा की रक्षा कितनी जरूरी है। बच्चों को अहसास कराएं कि जिस तरह से बड़े लोग पानी का दुरुपयोग कर रहे हैं, उससे उनके भविष्य के लिये पानी का संकट गहरा हो जाएगा। इसके लिये टीवी, प्रिंट मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाये जा सकते हैं। इस अभियान में सूचना माध्यमों की भी जवाबदेही तय करने की जरूरत है। दरअसल, ग्रीन ट्रिब्यूनल या अन्य प्रदूषण नियंत्रक संस्थाएं अकसर राज्यों के सचिवों व अधिकारियों को दंडित करने की बात करती हैं, लेकिन इससे समस्या का समाधान संभव नहीं है। दरअसल, जब तक नागरिकों व किसानों को जागरूक -जवाबदेह नहीं बनाया जाएगा, तब तक स्थिति में बदलाव संभव नहीं है। हम भूल जाते हैं कि इस संकट को बढ़ाने में राजनीति की बड़ी भूमिका है। किसानों के मुद्दों को जोरशोर से उठाकर श्रेय लेने वाले राजनेताओं की जवाबदेही तय होनी चाहिए। दरअसल, बंपर पैदावार का श्रेय लेने वाले राजनेता तब कहां चले जाते हैं जब पराली जलाने का संकट पैदा होता है? सही मायनों में जहां पराली जलाने की घटनाएं ज्यादा होती हैं, वहां क्षेत्र के विधायकों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए कि वे क्षेत्र के किसानों को जागरूक क्यों नहीं कर पाते। क्यों वे पराली के निस्तारण के वैकल्पिक संसाधन उपलब्ध कराने में किसानों का सहयोग नहीं करते? विडंबना यही है कि वे वोट की राजनीति के प्रलोभन में पराली जलाने के खिलाफ आवाज उठाने में चुप्पी साध लेते हैं। उनके खिलाफ भी तो लापरवाही के मामले दर्ज होने चाहिए। वहीं यह भी हकीकत है कि प्रदूषण संकट के मूल में सिर्फ पराली समस्या ही नहीं है। हमारी उपभोक्ता संस्कृति, वाहनों का अंबार, सार्वजनिक यातायात सुविधा का पर्याप्त न होना, अनियोजित निर्माण कार्य, जीवाश्म ईंधन का प्रयोग तथा कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण न होना भी प्रदूषण संकट के मूल में है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये व्यापक स्तर पर जनजागरण अभियान चलाने, शैक्षिक पाठ्यक्रम में प्रदूषण-पर्यावरण के मुद्दे शामिल करने तथा तंत्र की जवाबदेही तय करना प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि हम ऐसा करें तो साल-दर-साल बढ़ते प्रदूषण संकट पर किसी तरह लगाम लगाने में हम कामयाब हो सकते हैं। साथ ही हर साल वायु प्रदूषण से होने वाली लाखों मौतों को हम रोक पाने में कामयाब हो सकते हैं। शासन को भी आग लगने पर कुआं खोदने की मानसिकता से बचना होगा और दूरगामी प्रभावों वाली नीतियां लागू करनी होंगी।

डमी स्कूलों से शिक्षा की गुणवत्ता का क्षय

अविजीत पाठक

मेरे पड़ोसी ने एक बार मुझसे बताया 'मेरा बच्चा स्कूल जाने में अपना वक्त और ऊर्जा बर्बाद नहीं करता। इसके बजाय, मैं उसे एक कोचिंग सेंटर में भेजता हूं, जो उसे वह तैयारी करवाते हैं जिसका महत्व है- मेरा मतलब है जेईई और नीट जैसी परीक्षाएं पास करने का 'कौशल' हासिल करना। और इस वास्ते उसके स्कूल के साथ एक व्यवस्था कर रखी है। भले ही वह पूरे साल अनुपस्थित रहे, फिर भी वह बोर्ड परीक्षाओं में बैठ सकता है। स्कूल इसका इंतजाम करता है।' उनके साथ मेरे संवाद के दौरान, मुझे उनके तर्क की तीव्रता का अहसास हुआ- उनका मानना है कि जीवन में केवल 'सफलता' ही मायने रखती है, और शिक्षा का कोई उच्च या महान लक्ष्य नहीं है।

वह अकेले नहीं हैं, असल में, मेडिकल-इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए मानकीकृत बना दिए गए इम्तिहान उत्तीर्ण करने के तर्क को हमारी चेतना पर हावी होने और 'व्यावहारिक' शिक्षा को हमारी धारणा को आकार देने में व्यापक इजाजत मिली हुई है। इसलिए जिसको हम सामान्य समझने लगे हैं- 'डमी स्कूलों' का अस्तित्व और लगभग हर इलाके में कोचिंग सेंटरों का एक साथ महिमामंडन – उसका जन्म होता चला गया। केवल इतना ही नहीं। ऐसा करके हम अपने बच्चों को शुरू से ही भ्रष्टाचार को आत्मसात करने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें भी पता है कि अगर स्कूलों और कोचिंग सेंटरों के बीच उचित 'सेटिंग' या किसी तरह का 'घालमेल' है, तो वे एक भी कक्षा में उपस्थित हुए बगैर भी बोर्ड परीक्षा में बैठ सकते हैं।

बेशक, सीबीएसई और राज्य बोर्ड भी इस कुप्रथा से अवगत हैं, और कभी-कभार, इन डमी स्कूलों के खिलाफ नाममात्र के कुछ छापे या दंडात्मक उपायों के बारे में सुनते हैं। लेकिन फिर, इस भ्रष्टाचार का मुकाबला तब तक नहीं किया जा सकता जब तक कि हम निम्नलिखित के बारे में कुछ गहन और ठोस कदम न उठाएं : सबसे पहले, हमारे लिए –यानी वयस्क और माता-पिता- खुद को शिक्षित करना और शिक्षा को लेकर और अपने बच्चों के लिए 'सफलता' के अर्थ के बारे में अपनी समझ को विस्तृत बनाना महत्वपूर्ण है। बेशक, यह अच्छा है अगर हमारे बच्चे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीव विज्ञान सीखें, इसमें कोई बुराई नहीं है अगर वे इन विषयों की पहेलियों को हल करना सीखते हैं- जल्दी, फुर्ती और चतुराई से। लेकिन फिर, यह 'कौशल' केवल उस चीज़ का अंश मात्र है जिसे सभी महान शिक्षक वास्तव में सार्थक, समग्र और जिंदगी बनाने वाली शिक्षा मानते हैं। गहन स्तर पर, शिक्षा का मतलब है सीखना, देखना और जिस दुनिया में हम विचरते हैं, उसे समझने की तमाम प्रमुख क्षमताओं का विकास करना– जैसे कि, आलोचनात्मक सोच को तेज करने के लिए बौद्धिक अनुभूति और तर्क करने की शक्ति, मानवीय भावनाओं और संवेदनाओं की गहरी समझ बनाने के लिए कलात्मक और सौंदर्य बोध संबंधी संवेदनशीलता का विकास, मिल-जुलकर काम करने की भावना और भाईचारा, सहयोग और एकजुटता का महत्व समझना, और सबसे बढ़कर, बृहद पारिस्थितिकीय तंत्र से जुड़ाव की कला।

लेकिन फिर, जब हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे बाकी सब भूल जाएं, पूरी तरह से एकल-आयामी बन जाएं, केवल मानकीकृत परीक्षणों को पास करने वाली रणनीतिक तकनीकों को अपनाएं, तो ऐसा करके हम उनके शारीरिक, मानसिक और नैतिक स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। वे एक खुदगर्ज/अहंकारी प्रतिस्पर्धी बनकर रह जाते हैं, और वह खो देते हैं जो संवेदनशील और संवादकारी प्राणी के रूप में विकसित होने के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है- अच्छे शिक्षकों की संगति जो उत्प्रेरक के रूप में कार्य करते हैं, संगी-साथियों के साथ मिलकर काम करने का अनुभव और पुस्तकें और शिल्पकला, रंगमंच और फुटबॉल का आनंद, सिद्धांत और व्यवहार के माध्यम से दुनिया को जानना।

खैर, मेरा 'व्यावहारिक' पड़ोसी कह सकता है कि अगर उसका बेटा किसी आईआईटी में दाखिला ले लेता है और आखिरकार उसे एक आकर्षक 'पैकेज' मिल जाए तो अंत में सब कुछ 'सही'। लेकिन फिर, यह 'सफलता' किस काम की, यदि वह अंदर से जख्मी, टूटा हुआ और अलग-थलग रहे?

इसका मतलब यह नहीं है कि हमारे स्कूल अनिवार्य रूप से वह समग्र शिक्षा और शुचितापूर्ण ज्ञान देने में सक्षम हैं, जिसकी मैं बात कर रहा हूं। वास्तव में, कुछ उल्लेखनीय अपवादों को छोड़कर, हमारे स्कूल हमारे बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक रूप से सूक्ष्म और गहरी आलोचनात्मक शिक्षा का आनंद उठाने के लिए प्रेरित करने में विफल रहते हैं। इसके बजाय, आधिकारिक पाठ्यक्रम का बोझ, समयसारिणी का अत्याचार, भीड़भाड़ वाली कक्षा में शिक्षक का एकालाप, विज्ञान विषय के मुकाबले मानव विज्ञान को दोयम मानना, साप्ताहिक और वार्षिक परीक्षाओं का जंजाल, और सबसे बढ़कर, 'टॉपर्स' बनाना एकमात्र लक्ष्य- ब्रांडेड कोचिंग सेंटर वह प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जिसका सही मायने में ठोस विकल्प बनने में हमारे विद्यालय विफल रहे हैं।

संभवतः, कोचिंग सेंटर- जैसा कि मेरे पड़ोसी जैसे व्यावहारिक माता-पिता की सोच है- यह बेहतर ढंग से करते हैं क्योंकि ये दुकानें बच्चे के समग्र विकास को पल्लवित करने का भ्रम नहीं पालती, बल्कि, सिर्फ जेईई और नीट जैसी परीक्षाओं को क्रैक करने के लिए एमसीक्यू हल करने की तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करती हैं। क्या यही कारण है कि हमारे स्कूल आत्मसमर्पण कर चुके हैं और पूरी तरह से असहाय होकर देख रहे हैं कि कैसे कोचिंग उद्योग युवाओं और उनके माता-पिता की चेतना पर कब्जा कर रहा है? ऐसा लगता है कि डमी स्कूलों की वृद्धि रोके नहीं रुकेगी।

बेशक ऐसे विद्यालय भी हैं जहां जीवन-निर्वाह संस्कृति सिखाई जाती है, लेकिन भेड़चाल बन चुकी इस प्रवृत्ति को बदलना तब तक संभव नहीं, जब तक कि हम पेशेवर और उच्च शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के लिए युवाओं के चयन के तौर-तरीकों में बदलाव नहीं करते। जेईई, नीट और सीयूईटी जैसी बेहद समस्याग्रस्त मानकीकृत परीक्षाओं को दिए जा रहे महत्व ने स्कूल में छात्र के सीखने और प्रदर्शन का अवमूल्यन किया है। इसलिए विद्यालय में दिखाए जाने वाले प्रदर्शन को भी समान महत्व देना जरूरी है।

इसके अलावा, इन मानकीकृत परीक्षणों को एक काफी विकेंद्रीकृत और गुणात्मक रूप से भिन्न परीक्षा के तरीके से बदलना जरूरी है, जो एमसीक्यू केंद्रित 'वस्तुनिष्ठ' प्रश्नों से संतुष्ट रहने के बजाय, किसी विद्यार्थी का मूल्यांकन उसके व्याख्यात्मक कौशल, किसी जटिल समस्या से निपटने और अस्पष्टताओं को हल करने या अनेकानेक संभावित समाधान सोचना, इंजीनियरिंग, मेडिसिन, बुनियादी विज्ञान, उदार कला में करिअर बनाने के लिए उसकी मानसिक अभिरुचि, अच्छी पुस्तकों एवं नए विचारों में उसकी दिलचस्पी के आधार पर किया जाए। इन क्रांतिकारी उपायों के बिना, शिक्षा को विशालकाय कारखाने सरीखे कोचिंग के मुनाफादायक व्यवसाय से बचाना और डमी स्कूलों के सामान्यीकरण का विरोध करना वास्तव में मुश्किल होगा।

जीवन मंत्र जे कृष्णमूर्ति

समस्या को समग्रता में देखें

क्या कोई किसी खास घटना के बजाय समग्रता में प्रतिक्रिया दे सकता है? और क्या अपने पूरे दिमाग और दिल से इसका जवाब देना संभव है, ताकि हम टुकड़ों में नहीं, बल्कि अपने पूरे अस्तित्व के साथ काम करें? मुझे लगता है कि पतन की किसी घटना का सामना करते हुए यही एकमात्र संभावित प्रतिक्रिया और इकलौती संभव कार्रवाई है।

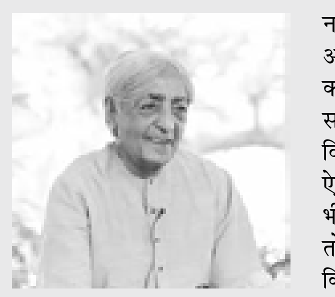

आप जानते हैं कि दुनिया भर में क्या कुछ घट रहा है। हर तरफ सवाल उठाए जा रहे हैं, संदेह किया जा रहा है और जब किसी का सामना इन सब से होता है, तो वह पूछता है कि उसे क्या करना चाहिए? गिरावट की, पतन की घटनाओं का सामना करने वाला एक इंसान आखिर क्या कर सकता है? मनुष्य होने के नाते उसे वास्तव में क्या करना चाहिए? दरअसल, उसे किसी न किसी स्थापित व्यवस्था का पक्ष लेते हुए कार्य करना पड़ता है, चाहे वह कम्युनिस्ट स्थापित व्यवस्था हो, पूंजीपतियों द्वारा स्थापित व्यवस्था हो या फिर धार्मिक समूह द्वारा? तो क्या उसे इनमें से किसी की ओर जाना चाहिए या इन सबके खिलाफ विद्रोह कर देना चाहिए, जैसा कि बहुत से लोग कर भी रहे हैं?

अलग-अलग देशों में विद्रोह की शैली भिन्न-भिन्न होती है। आपको जानकर हैरानी नहीं होनी चाहिए, नशाखोरी भी उनमें से एक रूप है। अमेरिका में अश्वेतों और श्वेत लोगों का विद्रोह हो, युद्ध-विरोधी या युद्ध समर्थक खेमेबाजी हो या जनसंख्या विस्फोट। सवाल उठता है, क्या ऐसी प्रतिक्रियाओं की कोई सार्थकता भी है? अब कुछ न कुछ करना तो जरूरी है। ऐसे में, एक व्यक्ति किसी खास विघटन के प्रति समग्र प्रतिक्रिया करेगा, कोई राजनीतिक-आर्थिक मुद्दा उठाएगा और उसमें खुद को झोंक देगा, किसी सामाजिक कार्य में रम जाएगा या फिर खुद को अलग-थलग कर लेगा; वह ध्यान की दुनिया में चला जाएगा। ऐसा हो भी रहा है। निश्चित रूप से यह सब समस्या को खंडित रूप में देखने का संकेत है। क्या ऐसा नहीं है? समग्र रूप में यह एक मानवीय समस्या है, किसी विशेष समूह या व्यक्तियों या संस्कृति की नहीं।

क्या कोई किसी खास घटना के बजाय समग्रता में प्रतिक्रिया दे सकता है? और क्या अपने पूरे दिमाग और दिल से इसका जवाब देना संभव है, ताकि हम टुकड़ों में नहीं, बल्कि अपने पूरे अस्तित्व के साथ काम करें? मुझे लगता है कि पतन की किसी घटना का सामना करते हुए यही एकमात्र संभावित प्रतिक्रिया और इकलौती संभव कार्रवाई है। आखिरकार, पतन होता ही तब है, जब कोई जानता है कि क्या करना है और क्या नहीं। क्या हम जानते हैं कि क्या करना है? किसी विशेष खंड के बारे में नहीं, बल्कि अपने समाज, पूरी संरचना, प्रकृति और खुद के संबंध में क्या करना है, क्या हम जानते हैं? मुझे नहीं पता कि आपने इस बारे में सोचा भी है या नहीं या आपकी इस दृष्टिकोण में रुचि है या नहीं?

बहरहाल, मूल सवाल पर आते हैं कि एक मनुष्य के रूप में हमें क्या करना चाहिए? अपने मन को तमाम आग्रहों-दुराग्रहों से मुक्त कीजिए। आपका या मेरा मन नहीं, बल्कि समग्र मानव-मन को मुक्त कराइए।

जीवन ऊर्जा गुडो रेनीः जन्म- जन्म - 4 नवंबर 1575 **जन्म**

कला में, सबसे बड़े पुरस्कार धैर्य से मिलते हैं

गुडो रेनी एक प्रसिद्ध इतालवी चित्रकार थे। उनका जन्म 4 नवंबर 1575 को हुआ था और निधन 18 अगस्त 1642 को हुआ। वे अपने धार्मिक और पौराणिक चित्रों के लिए जाने जाते हैं। उनकी कला में सुंदरता और भावनाओं का अद्भुत संयोजन होता है।

गुणवत्ता के साथ कला का निर्माण होता है। कलाकार को अपनी दृष्टि को स्पष्ट करना चाहिए। सौंदर्य सत्य का प्रकाश है। चित्रित करना अपने विचारों को व्यक्त करने का एक तरीका है। आंखें आत्मा का प्रतिबिंब होती हैं। कला हृदय की भाषा है।कला में, सबसे बड़े पुरस्कार धैर्य से मिलते हैं। हर ब्रश के स्ट्रोक में अनजान में यात्रा होती है। निर्माण करना, दो बार जीने के समान है। सच्चा कलाकार अपने प्रति सच्चा होना चाहिए। प्रेरणा एक दिव्य चिंगारी है। कला में, हमारे चारों ओर की सुंदरता का प्रतिबिंब होना चाहिए। जितना अधिक आप अध्ययन करेंगे, उतना अधिक आप सुंदरता की गहराइयों को समझेंगे। हर कला के टुकड़े में एक कहानी छिपी होती है। कैनवास आत्मा की खिड़की है। कला समय और स्थान को पार करने की शक्ति रखती है। एक उत्कृष्ट कृति जुनून और समर्पण से जन्म लेती है। कला के माध्यम से हम अपने असली स्वरूप को खोजते हैं।चित्रण की सार्थकता जीवन के क्षणों को पकड़ने में है। हर कलाकार एक गुप्त कहानीकार है। रंग चित्रकला की आत्मा है।एक कलाकार का कर्तव्य सुंदरता का निर्माण करना है। कला एक संवाद है कलाकार और दर्शक के बीच। प्रकृति की सुंदरता कला की सुंदरता को प्रेरित करती है।हर निर्माण, निर्माता का एक हिस्सा है। कला अदृश्य को प्रकट करती है।

प्रेरक प्रसंग

काल्पनिक रुकावटों से आगे बढ़ें, मिलेगी कामयाबी

स्वामी विवेकानंद का बहुत लोकप्रिय कथन है 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य को न पा लो'। हममें से ज्यादातर लोगों ने इसे कभी न कभी जरूर पढ़ा होगा। इस बात से प्रेरणा लेने के बजाए हम एक या दो बार असफलता मिलने पर प्रयास छोड़कर ही बैठ जाते हैं। हमारे दिमाग में यह इस तरह बैठ जाता है कि हम उस बारे में सोचना भी छोड़ देते हैं। इसके विपरीत अगर हम अपनी कोशिशें जारी रखें तो हमें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है। यही बात हमारी आज की कहानी में भी बताई जा रही है। एक प्रयोग में एक रिसर्च बायोलॉजिस्ट ने एक बड़े से टैंक में शार्क मछली को रखा और फिर उसी टैंक में छोटी मछलियों को भी डाल दिया। शार्क ने छोटी मछलियों को खाना शुरू कर दिया और कुछ ही घंटों में सभी छोटी मछलियां शार्क का आहार बन चुकी थीं। हर बार यही होता। बायोलॉजिस्ट ने अब अपने प्रयोग में थोड़ा परिवर्तन किया और एक मजबूत फाइबर की ट्रांसपैरेंट स्लाइड को उस टैंक में ऐसे डाला कि टैंक दो भागों में बंट जाए। एक भाग में शार्क और दूसरे भाग में छोटी मछलियों को रखा। आदतन शार्क ने छोटी मछलियों पर हमला करना चाहा तो वे उस स्लाइड से टकरा गईं। शार्क ने प्रयास नहीं छोड़ा और हमला करती रही।

यह प्रयोग कुछ हफ्तों तक जारी रहा। शार्क ने हमला करना जारी रखा, लेकिन उसके प्रयास में लगातार कमी आती गई। फिर एक समय ऐसा आया कि शार्क ने यह मान लिया कि वह छोटी मछलियों को नहीं खा सकती। उसने प्रयास करना ही छोड़ दिया। बायोलॉजिस्ट ने अब फाइबर की स्लाइड को वहां से हटा दिया। लेकिन यह क्या, शार्क को तो इससे कोई फर्क हीं नहीं पड़ा। उसने यह मान लिया था कि एक दीवार है, एक अवरोध है, जिसे वह पार नहीं कर सकती। उसने प्रयास करना ही छोड़ दिया अब छोटी मछलियां आराम से उसी टैंक में तैर रहीं थी और उसे शार्क से कोई खतरा भी नहीं था।

शख्सियत शकुंतला देवी

भारतीय गणित की अद्भुत प्रतिभा

शकुंतला देवी का नाम सुनते ही हमारे मन में गणित की अद्वितीय प्रतिभा और तेज दिमाग का ख्याल आता है। 4 नवम्बर 1929 को बंगलुरु, कर्नाटक में जन्मी शकुंतला देवी को बचपन से ही गणित के प्रति अद्भुत लगाव था। उनके पिता सर्कस में काम करते थे, और जब उन्होंने अपनी बेटी की गणना क्षमता देखी, तो उन्होंने उन्हें गणित की गूढ़ जानकारी सिखाने का निश्चय किया।

शकुंतला देवी को बचपन में ही गणना की अनोखी क्षमता के लिए जाना जाने लगा। उनकी अद्भुत गणना क्षमता को देखते हुए लोग उन्हें 'ह्यूमन कम्प्यूटर' कहने लगे। 5 साल की उम्र में ही शकुंतला देवी ने बिना किसी औपचारिक शिक्षा के ही जटिल गणनाएं करना शुरू कर दिया था, और उनकी इस क्षमता ने सभी को चकित कर दिया। 1977 में अमेरिका के डलास में, उन्होंने 201 अंकों की एक संख्या का 23वां मूल निकाला और उनका नाम 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज हो गया। उनकी इस असाधारण उपलब्धि ने उन्हें पूरी दुनिया में मशहूर कर दिया। वह सिर्फ गणना में ही नहीं बल्कि ज्योतिष शास्त्र और साहित्य में भी गहरी रुचि रखती थीं। उन्होंने कई किताबें भी लिखी हैं, जिनमें ₹द वर्ल्ड ऑफ होमोसेक्सुअल्सर₹ विशेष रूप से उल्लेखनीय है। उनकी जीवन यात्रा ने यह सिद्ध कर दिया कि अगर मन में सच्ची लगन हो, तो शिक्षा की कमी भी बाधा नहीं बन सकती। शकुंतला देवी ने गणित को एक कला की तरह पेश किया और दिखाया कि कैसे इस विषय में भी आकर्षण और रोमांच हो सकता है। 21 अप्रैल 2013 को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया, लेकिन उनके द्वारा छोड़ी गई गणना की विरासत आज भी प्रेरणादायक है। शकुंतला देवी का जीवन और उनकी उपलब्धियां हमें सिखाती हैं कि सीमाओं का अतिक्रमण करने की ताकत हमारे भीतर होती है। गणित की इस महान साधिका की स्मृति हमेशा हमारे दिलों में बनी रहेगी।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

जहां स्त्रियों की पूजा होती है वहां देवता वास करते हैं
यत्र नार्यस्तु पूजन्ते के रमंते तत्र देवता

भारतीय नारी के समर्पण सहजता त्यागमहानता एवं पति परायणता को व्यक्त करने का पर्व ही करवा चौथ है। दिन भर स्वयं भूखा प्यासा रहकर रात्रि को जब मांगने का अवसर आया तो अपने पति देव के मंगलमयसुखमय और दीर्घायु जीवन की ही याचना करना, यह एक नारी का त्याग और समर्पण ही है।

नारी के त्याग और परिवार के प्रति समर्पण को इसी बात से देखा जा सकता है, कि उसे जब भी और जहाँ भी माँगने का अवसर मिला उसने अपने लिए कभी भी कुछ न माँगकर पति के लिए, संतति के लिए अथवा अपने पूरे परिवार के लिए ही कुछ याचना की है। वो भगवान से भी माँगेगी तो केवल अपने परिवार के लिए ही कोई माँग करेगी। पुरूषों को भी इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि जो नारी आपके लिए इतना कष्ट सहती है उसे और कष्ट न दिया जाए। जो नारी आपके लिए समर्पित है, उसको और संतप्त न किया जाए। जो नारी प्राणों से बढ़कर आपका सम्मान करती हैजीवन भर उसके सम्मान की रक्षा का प्रण भी लिया जाये।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

ग्रैप नियमों के उल्लंघन पर 500 से ज्यादा निर्माण स्थलों पर जुर्माना

54 हजार वाहनों का चालान

एजेंसी | नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए ग्रैप के पहले और दूसरे चरण की पाबंदियां लागू की गई है। केन्द्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के मुताबिक 15 अक्तूबर से लेकर 31 अक्तूबर के बीच ग्रैप प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वाले 500 से ज्यादा निर्माण स्थलों पर जुर्माना लगाया गया है। साथ ही 54 हजार वाहनों का चालान किया गया है।

597 निर्माण स्थलों पर जुर्माना

आयोग के मुताबिक, 15 अक्तूबर से 31 अक्तूबर के बीच चलाए गए अभियान में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में अलग-अलग टीमों ने लगभग सात हजार निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान खामियां मिलने पर 597 निर्माण स्थलों पर जुर्माना लगाया गया है। नियमों का ज्यादा उल्लंघन कर रहे 56 निर्माण स्थलों पर काम को बंद करा दिया गया है।

54 हजार वाहनों का चालान

आयोग के मुताबिक वाहनों से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए भी सख्त कार्रवाई की गई। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में लगभग 54 हजार वाहनों का चालान समुचित पीयूसी सर्टिफिकेट नहीं होने पर किया गया है। अपनी समयावधि पूरी कर चुके 3900 वाहनों पर भी कार्रवाई की गई।

81 मशीनें तैनात

आयोग ने रविवार को बताया कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण की रोकथाम के लिए व्यापक कदम उठाए गए हैं। केवल दिल्ली में ही 81 मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनें तैनात की गई हैं। हरियाणा और उत्तर प्रदेश के एनसीआर जिलों में 36 ऐसे वाहनों की तैनाती की गई है। वहीं, पूरे दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में 600 वाटर स्प्रिंकलर और एंटी स्मॉग गन की तैनाती की गई है।

तेज होगा अभियान

ग्रैप प्रतिबंधों को लागू करने के साथ ही आयोग ने सभी संबंधित संस्थाओं से इनका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तेज अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। इन पर हो रही कार्रवाई की निगरानी के लिए आयोग द्वारा एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। साथ ही संबंधित अधिकारियों का व्हाट्सऐप ग्रुप भी बनाया गया है।

फर्जी कंपनियां बनाकर साइबर ठगों ने करोड़ों उड़ाए

धन उगाही के लिए डिजिटल अरेस्ट किया

दोपहर संवाददाता | बेंगलुरु

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेंगलुरु की एक अदालत में साइबर ठगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। इसमें उसने खुलासा किया कि आठ लोगों का एक गिरोह फर्जी कंपनियां बनाकर साइबर ठगी को अंजाम दे रहा था। इतना ही नहीं गिरोह के सदस्य लोगों को साइबर अरेस्ट कर धन उगाही करते थे।

फर्जी आईपीओ 159 करोड़ ठगे

इन लोगों ने फर्जी आईपीओ आवंटन के माध्यम से लोगों को लालच देकर 159 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर ठगी को अंजाम दिया। ईडी ने जांच में पाया कि देश में साइबर घोटालों का यह एक बड़ा नेटवर्क है। ये घोटालेबाज फर्जी शेयर बाजार निवेश यानी पिग-बुचरिंग के माध्यम से लोगों को शिकार बनाते थे। इसके लिए नकली वेबसाइटों और भ्रामक व्हाट्सएप ग्रुप से लोगों को ज्यादा रिटर्न का लालच देते थे। साजिश को अंजाम देने के लिए 24 फर्जी कंपनियों का भी इस्तेमाल किया गया। जांच एजेंसी शनिवार को यह भी बताया कि मामले में खुद को सीमा शुल्क और सीबीआई का अधिकारी बताकर घोटाले के पीड़ितों को डिजिटल अपरेस्ट किया गया।

वसूले गए पैसे विदेश भेजे

ईडी ने कहा कि उसने कई पुलिस एफआईआर का अध्ययन करने के बाद इस अपराध में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया और आठ लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें नाम चरण राज सी, किरण एसके, शाही कुमार एम, सचिन एम, तमिलारासन, प्रकाश आर, अजित आर और अरविंदन हैं। इन लोगों ने ठगी के धन को वैध करने के लिए तमिलनाडु, कर्नाटक और कुछ अन्य राज्यों में 24 फर्जी कंपनियों का इस्तेमाल किया। आय को अंततः क्रिप्टोकरेंसी में परिवर्तित कर दिया गया और विदेश भेज दिया गया।

फर्जी ग्रुप बनाकर ठगी

साइबर अपराधियों ने फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हॉट्सऐप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया मंच के जरिये लोगों को फांसा। उन्होंने फर्जी वेबसाइट और भ्रामक व्हॉट्सऐप समूहों का उपयोग करके शेयर बाजार निवेश पर उच्च मुनाफे का लालच देकर लोगों को लुभाया। ये भ्रामक व्हॉट्सऐप ग्रुप देखने से ऐसे लगते हैं कि प्रतिष्ठित वित्तीय कंपनियों से जुड़े हैं।

सैकड़ों सिम का इस्तेमाल

अदालत ने 29 अक्तूबर को ईडी के आरोपपत्र पर संज्ञान लिया है। इसमें ईडी ने कहा कि है जालसाजों ने इन धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए सैकड़ों सिम कार्ड हासिल किए, जिन्हें या तो फर्जी कंपनियों के बैंक खातों से जोड़ा गया या उनका इस्तेमाल व्हाट्सएप अकाउंट बनाने के लिए किया गया। जांच एजेंसी ने बताया कि पकड़े गए सभी आरोपियों की घोटाले में अलग-अलग भूमिका थी। देश में बढ़ते साइबर खतरों और डिजिटल अरेस्ट के मामलों के मद्देनजर भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने रविवार को नई एडवाइजरी जारी की।

देशभर में 48 लाख शादियों पर छह लाख करोड़ खर्च होंगे

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की रिपोर्ट

दोपहर संवाददाता | नई दिल्ली

देश में शादियों का सीजन शुरू होने वाला है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल नवंबर और दिसंबर में करीब 48 लाख शादियां होने का अनुमान है, जिसमें लगभग 6 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है। दिल्ली में ही अनुमानित 4.5 लाख शादियों से इस सीजन में 1.5 लाख करोड़ रुपये के व्यापार की उम्मीद है। देश भर के 75 प्रमुख शहरों में शादी से संबंधित वस्तुओं और सेवाओं में व्यापार करने वाले प्रमुख व्यापारी संगठनों से चर्चा के आधार पर प्राप्त आंकड़ों से कैट ने यह अनुमान लगाया है। पिछले साल इस सीजन में 35 लाख शादियों से कुल 4.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था।

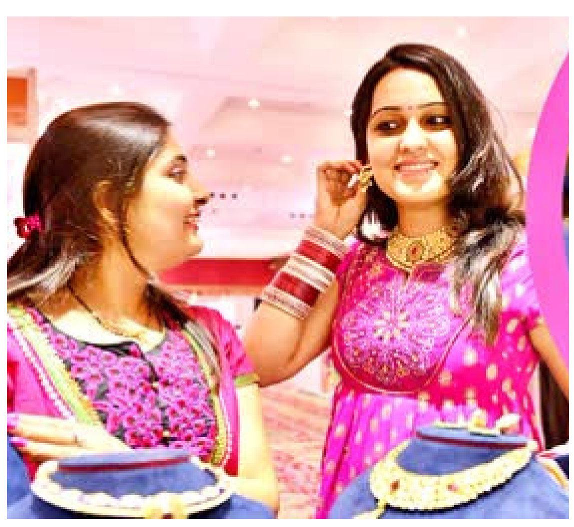

क्या है रिपोर्ट में ?

रिपोर्ट के अनुसार, इस सीजन में अनुमान के मुताबिक देशभर में करीब 40 लाख शादियां 3 लाख से लेकर 15 लाख के खर्च में संपन्न होंगी। वहीं, सात लाख शादियां 25 लाख, 50 हजार शादियां 50 लाख और अन्य 50 हजार विवाह समारोह एक करोड़ या इससे अधिक के खर्च में संपन्न होंगे। शादी के खर्च को सामान और सेवाओं के बीच विभाजित किया जाता है, जिसमें मुख्य रूप से वस्त्र, साड़ियां, लहंगे और अन्य परिधान समेत इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली उपकरण और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स आदि शामिल होते हैं।

हरियाणा में 28 आईएएस अधिकारियों का तबादला

दोपहर संवाददाता | चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने रविवार को तत्काल प्रभाव से 10 उपायुक्तों सहित 28 आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सीजी रजनी कंथन को वित्त विभाग में सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है। यश गर्ग को उद्योग एवं वाणिज्य निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है। अशोक कुमार गर्ग को गुरुग्राम नगर निगम के आयुक्त का पदभार दिया गया है। राजेश जोगपाल को सहकारी समितियों का रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। जबकि धीरेंद्र खड़गटा को रोहतक का उपायुक्त और पर्यावरण, वन एवं वन्यजीवन का विशेष सचिव नियुक्त किया है। धर्मेंद्र सिंह को रोहतक का जिला नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। वहीं राम कुमार सिंह को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा सिंचाई एवं जल संसाधन के विशेष सचिव का पदभार दिया गया है। अजय कुमार को गुरुग्राम का उपायुक्त (डीसी) नियुक्त किया गया है। जबकि प्रदीप दहिया को झज्जर का डीसी नियुक्त किया गया है।

जेफ बेजोस फिर बने दुनिया के दूसरे सबसे अमीर इंसान

दोपहर संवाददाता | चंडीगढ़

अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस एक बार फिर से दुनिया के दूसरे सबसे अमीर इंसान बन गए हैं। Amazon के शेयर की कीमत में उछाल से जेफ बेजोस के नेटवर्थ में वृद्धि हुई, जिसके बाद हाल ही में उन्होंने अमेजन के शेयरों का बड़ा हिस्सा बेच दिया। इससे वह अमीरों की लिस्ट में वापस से दूसरे नंबर पर आ गए हैं। जेफ बेजोसने हाल ही में 3 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के Amazon शेयर बेचे हैं।

अब्दुल रहीम राथर जम्मू-कश्मीर विधानसभा के स्पीकर होंगे, पहला सत्र आज से

CM उमर ने सहयोगी दलों के साथ बैठक के बाद फैसला लिया

दोपहर संवाददाता | श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू होगा। रविवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधायक दल की बैठक बुलाई। मीटिंग में कांग्रेस, CPI (M), आम आदमी पार्टी और निर्दलीय विधायक पहुंचे। 10 साल बाद हुए विधानसभा चुनाव के बाद नई सरकार में नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ विधायक अब्दुल रहीम राथर स्पीकर होंगे। रादर सातवीं बार विधायक बने हैं और केंद्र शासित प्रदेश की पहली विधानसभा में सबसे उम्रदराज विधायक हैं। स्पीकर का चुनाव सोमवार सुबह 10:30 बजे से पहले होगा। इसके बाद उपराज्यपाल का अभिभाषण होगा। बैठक में अब्दुल्ला सरकार की आगामी रणनीति और योजनाओं के बारे में भी चर्चा हुई।

डिप्टी स्पीकर का पद भाजपा को मिल सकता है

अब्दुल्ला सरकार डिप्टी स्पीकर का पद भाजपा को दे सकती है। हालांकि, अब तक सरकार की ओर से भाजपा को इससे जुड़ी कोई जानकारी नहीं दी गई है। आज होने वाली बैठक में इस पर भी फैसला हो सकता है। वहीं रविवार को भाजपा विधायकों की हुई बैठक में सुनील शर्मा को विधायक दल का नेता चुना गया। वे विधानसभा में विपक्ष के नेता होंगे।

4 राज्यसभा सीटों पर भी चुनाव जल्द होंगे

जम्मू-कश्मीर की 4 राज्यसभा सीटों पर भी जल्द ही चुनाव होने हैं। इसके लिए चर्चाएं अभी से तेज हो गई हैं। चुनाव में जीती सीटों के हिसाब से दो राज्यसभा सीटें NC-कांग्रेस गठबंधन और एक बीजेपी के खाते में जा सकती हैं। NC अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को राज्यसभा भेजा जा सकता है। खराब सेहत के चलते उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। बची हुई एक सीट पर चुनाव हो सकते हैं। चुनाव में यह सीट किसके हिस्से जाएगी, ये उस समय के राजनीतिक समीकरण ही तय करेंगे।

सत्र में हंगामे के आसार

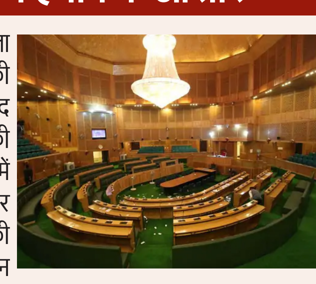

उमर अब्दुल्ला के CM पद की शपथ लेने के बाद राज्य में 6 आतंकी हमले हुए हैं। इनमें लश्कर के कमांडर समेत 6 आतंकी ढेर हुए हैं। 3 जवान भी शहीद हुए। साथ ही 8 गैर कश्मीरी मंजदूरों की भी मौत हुई है। राज्य में नई सरकार के बनने के बाद आतंकियों ने गैर कश्मीरियों को निशाना बनाकर कई हमले किए हैं। उमर अब्दुल्ला के पिता फारूक अब्दुल्ला के आतंकियों पर दिए बयान को लेकर भी सत्र में हंगामे के आसार हैं। दरअसल फारुक ने कहा था कि सुरक्षाबल आतंकियों को मारे नहीं, बल्कि उन्हें गिरफ्तार करें। इसे लेकर भाजपा ने फारुक पर निशाना साधा था।

पंजाब में पराली जलाने की घटनाएं चार हजार के पार

घटनाओं की संख्या 4,000 से अधिक

दोपहर संवाददाता | चंडीगढ़

पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं की संख्या 4,000 से अधिक हो गई है। राज्य में रविवार को ऐसी 216 नयी घटनाएं सामने आईं। पंजाब रिमोट सेंसिंग सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, 15 सितंबर से तीन नवंबर तक पंजाब में पराली जलाने की कुल 4,132 घटनाएं देखी गईं। राज्य में पिछले पांच दिन में पराली जलाने की 1,779 घटनाएं सामने आईं। आंकड़ों के अनुसार, पंजाब में 29 अक्तूबर को 219, 30 अक्तूबर को 110, 31 अक्तूबर को 484, एक नवंबर को 587 और दो नवंबर को 379 ऐसी घटनाएं हुईं। रविवार को सामने आए 216 नए मामलों में से संगरूर में पराली जलाने की 59 घटनाएं हुईं, जो राज्य में सबसे अधिक हैं।

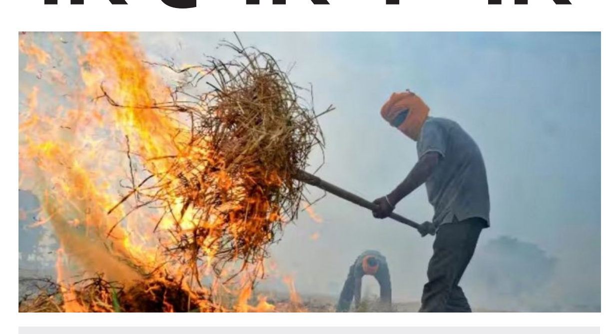

2023 में पराली जलाने की कुल 36,663 घटनाएं दर्ज

पंजाब में धान की कटाई अभी भी जारी है। अक्टूबर और नवंबर में धान की कटाई के बाद दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ने के लिए अकसर पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने को जिम्मेदार ठहराया जाता है। क्योंकि धान के बाद गेहूं की बुवाई के लिए समय बहुत कम होता है, इसलिए कुछ किसान खेतों की जल्द सफाई के लिए पराली में आग लगा देते हैं। पंजाब में 2023 में पराली जलाने की कुल 36,663 घटनाएं दर्ज की गई थीं, जिससे ऐसी घटनाओं में 26 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

दो किशोरियों का यौन उत्पीड़न, दो गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता | कोलकाता

पश्चिम बंगाल के हुगली और उत्तर 24 परगना जिलों में दो नाबालिग लड़कियों का उनके पड़ोसियों द्वारा यौन उत्पीड़न किया गया। पुलिस ने दोनों मामलों में अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। टीएमसी विधायक मनोरंजन ब्यापारी और वरिष्ठ मंत्री फिरहाद हकीम ने अपराधियों को कड़ी सजा देने का आह्वान किया है। उत्तर 24

परगना के मोगरा में 16 वर्षीय लड़की का उसके पड़ोसी ने यौन उत्पीड़न किया, जब वह शनिवार की रात घर पर अकेली थी।

लड़की की चिकित्सा जांच सोमवार को

उधर, गायघाटा में शनिवार को ट्यूशन जाते समय 14 वर्षीय लड़की का उसके पड़ोसी ने अपहरण कर लिया। इसके बाद लड़की को पास के जंगल में ले जाया गया और वहां बलात्कार करने के बाद रात में उसके घर के पास छोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि लड़की की चिकित्सा जांच सोमवार को कराई जाएगी।

अगले सप्ताह रिटायर होंगे चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़

अयोध्या पर फैसला सुनाने वाली पीठ के आखिरी न्यायाधीश

दोपहर संवाददाता | नई दिल्ली

अयोध्या राम जन्मभूमि मामले में फैसला सुनाने वाली सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ के आखिरी न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ अगले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट को अलविदा कहेंगे। भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को सेवानिवृत होंगे और यह संयोग ही है कि नौ नवंबर को अयोध्या पर आए फैसले को पांच वर्ष पूरे होंगे।

गत जुलाई में ही जस्टिस चंद्रचूड़ अयोध्या गए थे और रामलला के दर्शन किये थे। शायद वह पहले सीजेआई हैं, जो रामलला के दर्शन करने अयोध्या भी गए। सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने नौ नवंबर 2019 को अयोध्या राम जन्मभूमि मामले में फैसला दिया था। फैसला सुनाने वाली पीठ में पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई (फैसले के वक्त जस्टिस गोगोई प्रधान न्यायाधीश थे, उन्होंने पीठ की

अगुवाई की थी), पूर्व प्रधान न्यायाधीश एसए बोबड़े, वर्तमान प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस एस अब्दुल नजीर शामिल थे।

पीठ के अन्य न्यायाधीश पहले ही हो चुके हैं रिटायर

जस्टिस चंद्रचूड़ के अलावा पीठ में शामिल बाकी चार न्यायाधीश पहले ही सेवानिवृत हो चुके हैं। गत जुलाई में जस्टिस चंद्रचूड़ ने अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन किये थे। अभी हाल ही में अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट की दशहरे की छुट्टियों में जस्टिस चंद्रचूड़ ने पैतृक गांव के दौरे के दौरान कहा था कि अयोध्या विवाद के समाधान के लिए उन्होंने भगवान से प्रार्थना की थी। उनका यह बयान काफी चर्चित हुआ था।

कोर्ट ने माना था राम जन्मभूमि

सुप्रीम कोर्ट ने नौ नवंबर 2019 को दिए फैसले में विवादित भूमि को राम जन्मभूमि माना था और उस पर राम मंदिर निर्माण का रास्ता प्रशस्त किया था। इसके साथ ही किसी दूसरी जगह पांच एकड़ जमीन मस्जिद बनाने के लिए मुसलमानों को आवंटित करने का आदेश दिया था। यह ऐतिहासिक फैसला था, जिसमें पांच सौ

97.5 प्रतिशत स्कूलों में अलग शौचालय

दोपहर संवाददाता | नई दिल्ली

ऊंची कक्षाओं में छात्राओं के घटते नामांकन अनुपात की वजह को दूर करने में केंद्र सरकार को कामयाबी मिली है। अब देश के 97.5 प्रतिशत से अधिक स्कूलों में छात्राओं के लिए अलग शौचालय की सुविधा है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपे अपने शपथपत्र में यह बताया है कि देश में सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और प्राइवेट स्कूलों

सहित 97.5 प्रतिशत से अधिक स्कूलों में छात्राओं के लिए अलग शौचालय की सुविधा उपलब्ध हो चुकी है।

राष्ट्रीय मॉडल तैयार करने का निर्देश

गौरतलब है कि ऊंची कक्षाओं में छात्राओं की पढ़ाई छोड़ने की एक बड़ी वजह उनके लिए अलग शौचालय की सुविधा न होना था। केंद्र ने यह शपथपत्र शीर्ष अदालत के निर्देश के बाद दायर किया है। सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र को देशभर के सभी सरकारी सहायता प्राप्त और आवासीय विद्यालयों में छात्राओं की संख्या के अनुरूप शौचालय निर्माण के लिए राष्ट्रीय मॉडल तैयार करने का निर्देश दिया था।

खबर संक्षेप

भागलपुर को जलाने की साजिश नाकाम!

बिहार। बिहार के भागलपुर में मां काली की प्रतिमा विसर्जन के दौरान असमाजिक तत्वों ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। असमाजिक तत्वों की ओर से दंगा भड़काने की पूरी रूपरेखा तैयार कर दी गई थी, लेकिन पुलिस की सक्रियता ने मामले को संभाल लिया। दरअसल, मां काली प्रतिमा विसर्जन के जुलूस में शामिल कुछ असमाजिक तत्वों ने मस्जिद की बगल वाली दीवार पर भगवा झंडा फहराया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से मुस्लिम समाज भड़क गया और प्रतिमा विसर्जन मार्ग पर आकर हंगामा करने लगे। जिससे दोनों पक्षों में तनावपूर्ण माहौल उत्पन्न हो गयाहालांकि, शासन और प्रशासन ने त्वरित मोर्चा संभलते हुए लोगों को समझा-बुझाकर विसर्जन मार्ग को खाली कराया। जिसके बाद कड़ी सुरक्षा के बीच साहिबगंज की प्रतिमा का सुबह विसर्जन कराया गया। फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है। मौके पर भारी संख्या में एसएसबी के जवान और स्थानीय पुलिस बल तैनात है। बता दें कि सोशल मीडिया पर लोगों ने अफवाह फैला दी थी कि मस्जिद पर भगवा झंडा फहराया गया है। जिससे मुस्लिम समाज के लोग भड़क गए।

बिहार में रफ्तार का कहर! यात्रियों से भरी ऑटो पलटी, 1 की मौत

जहानाबादः बिहार के जहानाबाद में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। जहां अनियंत्रित होकर यात्रियों से भरी एक ऑटो पलट गई। इस हादसे में एक यात्री की मौत हो गई जबकि छह यात्री घायल हो गए। घायल यात्रियों में एक की हालात गंभीर बनी हुई है। पूरा मामला परस बिगहा थाना क्षेत्र के धानाडिहरी रोड का है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद सभी घायलों को पास के एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया। जहां महिला समेत दो यात्रियों को गंभीर हालत में सदर अस्पताल लाया गया। जहां एक यात्री को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि एक महिला यात्री का उपचार किया जा रहा है। मृतक यात्री की पहचान गोपालपुर गांव निवासी मुकेश कुमार के रूप में की गई है। वहीं घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि आठ यात्री एक ऑटो पर सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में आ रही टेम्पो ने चकमा दे दिया। जिससे ऑटो चालक ने अपना संतुलन खो दिया और यात्रियों से भारी ऑटो सड़क किनारे पलट गई। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया। जिसमें एक महिला समेत दो की हालत गंभीर होने के कारण आनन फानन में उसे सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने एक यात्री को मृत घोषित कर दिया। जबकि एक महिला यात्री का इलाज किया जा रहा है। वहीं इस घटना में एक यात्री को खरोंच तक नहीं आई जबकि अन्य सभी घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो अन्य सभी यात्री खतरे से बाहर है।

बीजेपी का माटी, रोटी और बेटी वाला संकल्प पत्र

क्या अमित शाह ने हेमंत सोरेन के आदिवासी वोट बैंक में ठोक दी आखिरी कील?

एजेंसी | झारखंड

हरियाणा जीत से उत्साहित बीजेपी ने झारखंड विधानसभा चुनाव में भी वादों की झड़ी लगा दी है। रविवार को झारखंड विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने अपना संकल्प पत्र जारी कर दिया है। बीजेपी के कद्दावर नेता और देश के गृह मंत्री अमित शाह ने यह संकल्प पत्र जारी किया। झारखंड विधानसभा चुनाव का संकल्प पत्र जारी करने के बाद अमित शाह ने हेमंत सोरेन को ललकारते हुए कहा कि इसमें लिखी गई एक-एक बात पत्थर की लकीर है और इसे जरूर पूरा करेंगे। बीजेपी ने संकल्प पत्र के जरिए आदिवासी, गैरआदिवासी, महिला और बेरोजगार युवकों को साधने की पूरी कोशिश की है। इस चुनाव में बीजेपी की नजर जेएमएम के कोर वोटर आदिवासी और महिला वोटरों पर टिकी है। बीजेपी ने जेएमएम के कोर वोटर आदिवासियों को लुभाने के लिए गोगो दीदी योजना की राशि में हर महीने 2100 रुपये और सालाना 25000 रुपये देने का वायदा किया है। दिवाली और रक्षा बंधन में 2 गैस सिलेंडर फ्री, 5 साल में 5 लाख युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का भी वायदा किया है। बीजेपी के घोषणा पत्र में 2, 37, 500 सरकारी पदों को भरने का भी वायदा किया गया है। साल 2025 के नवंबर तक डेढ़ लाख रिक्त पदों का नोटिफिकेशन जारी करने की बात संकल्प पत्र में है।

हरियाणा के संकल्प पत्र की झारखंड में झलक

आपको बता दें कि बीजेपी का यह संकल्प पत्र बीते हरियाणा विधानसभा चुनाव से काफी मेल खाता है। क्योंकि बीजेपी ने हरियाणा में भी सभी महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत हर महीने 2100 रुपये देने का वायदा किया था। झारखंड में भी गोगो दीदी योजना के तहत हर महिला को 2100 रुपये देने का वायदा किया है। आदिवासियों को ध्यान में रखकर बीजेपी ने गोगो दीदी योजना, लक्ष्मी जोहार योजना, सुनिश्चित रोजगार योजना, युवा साथ भत्ता, सपनों का घर साकार होगा, भ्रष्टाचारी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति, मुखिया वेतन, आपरेशन सुरक्षा, कृषक सुरक्षा नीति, कटनी-छटनी निवारण, एक रुपया स्टांप ड्यूटी, बांग्लादेशी घुसपैठ पर नकेल, मुफ्त शिक्षा, सिदो-कान्हो शोध केंद्र, फूलो-झानो पढ़ो बिटिया, मातृत्व सुरक्षा योजना और झारखंड में आदिवासियों के हित में कई योजनाओं को शुरू करने का संकल्प पत्र में जिक्र किया गया है।

आदिवासी बीजेपी के लिए कितना अहम?

आपको बता दें कि झारखंड एक आदिवासी बहुल राज्य है। यहां आदिवासियों की जनसंख्या तकरीबन 26 प्रतिशत है। झारखंड विधानसभा की 81 में से 28 सीटें आदिवासियों के लिए रिजर्व हैं। लोकसभा की 14 में से 5 सीटें आदिवासी के लिए रिजर्व हैं। चाहे लोकसभा का चुनाव हो या विधानसभा का झारखंड की सत्ता की चाबी हर बार आदिवासियों के पास ही रहती है।

अब सरकारी स्कूलों में होगी पढ़ाई: यूपी में 8000 मॉडल कंपोजिट विद्यालयों की होगी स्थापना

▶▶ 10 एकड़ में बनेगा चमचमता स्कूल

एजेंसी | आजमगढ़

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री द्वारा कंपोजिट मॉडल विद्यालयों की स्थापना होने जा रही है। प्रदेश की 8000 न्याय पंचायत में मॉडल कंपोजिट विद्यालयों का निर्माण होने जा रहा है। इन कंपोजिट विद्यालयों में अत्यधिक सुविधाओं के साथ स्कूलों में पढ़ाई की व्यवस्था उपलब्ध होगी। जहां 10 एकड़ से अधिक के क्षेत्र में बनने वाले इन स्कूलों में प्री-प्राइमरी से लेकर इंटर मीडिएट तक की शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री कंपोजिट मॉडल विद्यालयों में विद्यार्थियों को नई तकनीक एवं व्यवस्था के साथ गुणवत्ता युक्त शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य उज्जवल हो सकेगा। बता दें कि कंपोजिट मॉडल विद्यालयों में अत्यधिक विज्ञान एवं गणित लैब कंप्यूटर लैब और स्मार्ट क्लास इत्यादि की सुविधा इन विद्यालयों में दीए जाएंगे। विद्यार्थियों को गरमा गरम मिड डे मील खाने के लिए केंद्रीय रसोई घर भी बनाया जाएगा। जहां विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की और असुविधा न हो सके। इसका विशेष इंतजाम इस मॉडल स्कूल में उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, प्राइवेट स्कूलों की तरह स्मार्ट क्लासेज एवं अत्याधुनिक विज्ञान लैब जैसी सुविधा उपलब्ध होने से बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा बच्चों को नई तकनीक से जोड़ा जा सकेगा, जिससे वह आगे चलकर हर क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकें। जिले में मॉडल कंपोजिट स्कूल बनाने के लिए जमीन को चिन्हित करने का काम शुरू कर दिया गया है। जिलाधिकारी को इसके लिए निर्देशित किया गया है कि वह खाली भूमि को जल्द से जल्द चिन्हित करें। जहां 27 विद्यालयों का डीपीआर भी तैयार कर लिया गया है। यहां जल्द ही निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश जल निगम की निर्माण इकाई कंस्ट्रक्शन एवं डिजाइन सर्विसेज उत्तर प्रदेश आवास विकास परिसर व उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निर्माण निगम लिमिटेड इत्यादि को निर्देश दिए गए हैं, जिससे तय समय पर निर्माण कार्य पूरा किया जा सके। उत्तर प्रदेश मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की ओर से बेसिक शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा विभाग को विद्यालय निर्माण के कार्यों की निगरानी के लिए निर्देशित भी किया गया है। मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालयों के परिसर में विद्यार्थियों को कौशल विकास की ट्रेनिंग देने की भी व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। यहां कौशल विकास केंद्र खोला जाएगा। विद्यार्थियों के लिए डिजिटल लाइब्रेरी परीक्षा कक्ष और स्टेडियम की भी सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे खेलकूद में भी बच्चों को तैयार किया जा सकेगा।

तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर नौकरी नहीं देने का लगाया आरोप, कहा- 'फाइल रोक दी थी'

एजेंसी | पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर स्वास्थ्य विभाग में खाली पदों को नहीं भरने का आरोप लगाया। तेजस्वी यादव ने कहा, मेरे स्वास्थ्य मंत्री रहते स्वास्थ्य विभाग में जो डेढ़ लाख नौकरी थी, उसकी फाइल सीएम नीतीश कुमार ने कैबिनेट में आने से रुकवा दी थी। तब मैंने अनुरोध किया था कि स्वास्थ्य विभाग की जो मैंने फाइल तैयार की थी, उसे कैबिनेट में आने दीजिए। इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि बाद में देखा जाएगा। अब मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि उसे पारित करवाइए। सीएम नीतीश कुमार कहते थे कि बिहार में नौकरी कहां से देंगे, हम पैसा कहां से लाएंगे? जब हम सरकार में भागीदार थे तो नौकरी देने का काम किया।

राजद नेता ने दावा किया कि पार्टी बिहार में चारों विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा, जनता के बीच हम मुद्दों के लेकर जा रहे हैं और हमें भरोसा है कि जनता हमें अपना समर्थन जरूर देगी। मौजूदा सरकार से जनता का भरोसा उठ

चुका है। चुनाव प्रचार बहुत अच्छा चल रहा है और हम लोग चारों स्थानों पर चुनाव जीतेंगे। उन्होंने कहा कि आज बिहार में कानून का राज कायम नहीं है। अपराधियों के बोलबाला है, लेकिन सरकार कुछ नहीं कर रही है।

भाजपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि उसके नेताओं का काम केवल नफरत फैलाना है। समाज में नफरत फैलाकर लोगों को बांटना इसकी राजनीति का हिस्सा है। भाजपा के नेता शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जनता की बुनियादी जरूरतों पर बात करने की बजाय नफरत के बोल बोलने में लगे हुए हैं। जनता ऐसे लोगों को पहचान चुकी है और समय आने पर उन्हें सबक भी सिखाएगी।

15 रुपये की उधारी लड़की को पड़ गई भारी, दुकानदार ने कर दिया बड़ा कांड!

एजेंसी | बिहार

बिहार के अररिया जिले से बड़ी खबर सामने आई है। यहां सिर्फ 15 रुपये की उधारी एक लड़की को भारी पड़ गई। महज 15 रुपये के लिए दुकानदार ने दरिंदगी की सारी हदें पार करते हुए लड़की को तालिबानी सजा देते हुए उसकी नाक काट दी। घटना अररिया के फारबिसगंज प्रखंड के तिरसकुण्ड पंचायत स्थित समौल हाट में स्थित एक दुकान की है। बताया जा रहा है कि आरोपी किराना दुकानदार जमशेद ने 15 रुपये की उधारी के लिए बुलबुल खातून नामक महिला की नाक काट दी। जानकारी के अनुसार, बुलबुल खातून का 15 रुपये का उधार किराना दुकानदार के पास था और जब वह अगले दिन फिर से राशन लेने पहुंची, तो इसी उधारी को लेकर विवाद बढ़ गया। इसी झगड़े के दौरान दुकानदार ने कथित तौर पर बुलबुल की नाक धारदार हथियार से काट दी। घटना के बाद खून से लथपथ महिला को फारबिसगंज अनुमण्डलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बुलबुल के परिवार वालों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

इस पर फारबिसगंज के SDPO मुकेश साहा ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। उधर आरा में एक युवक को रात के अंधेरे में अपनी प्रेमिका से मिलना भारी पड़ गया। प्रेमिका के गांववालों ने उसे चोर समझकर खंभे से बांधकर इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आगे की छानबीन की जा रही है। बताया जा रहा है कि मृतक नाबालिग था। उसकी उम्र 16 साल बताई जा रही है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि तरारी थाना क्षेत्र के बड़गांव में प्रेमी किशोर दिवाली की रात अपनी प्रेमिका से मिलकर हैप्पी दिवाली बोलने गया था, लेकिन परिवार के लोगों को इसकी भनक लग गई।

रौब दिखाकर वसूली कर रहे थे 2 दरोगा, भारी पड़ गई एक गलती

एजेंसी | मेरठ

यूपी के मेरठ में दो दरोगाओं को रौब दिखाकर वसूली करने भारी पड़ गया। दोनों पटाखों की दुकान पर जाकर अवैद वसूली कर रहे थे। इसी बीच ऐसी गलती कर बैठे कि उनकी जान पर बन आई। लोगों ने उन्हें बंधक बना लिया और जमकर पीटा। कुछ घंटे बाद जब पुलिस को घटना की खबर लगी। तो पुलिस टीम मौके पर जा पहुंची। दोनों पुलिसकर्मियों को लोगों को चुंगल से छुड़ाने के लिए मिन्नतें करनी पड़ीं, तब जाकर पब्लिक ने उन्हें छोड़ा। मेरठ में उत्तर प्रदेश पुलिस के दरोगाओं को बंधक बनाकर पीटने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। दरोगाओं पर आरोप है कि अवैध पटाखों की बिक्री के नाम पर वसूली करने पहुंचे थे। वसूली के दौरान दुकानदार से मारपीट करने पर इलाके के लोगों का आक्रोश भड़क गया। जिसके बाद दरोगाओं को बंधक बना लिया गया और उनके साथ मारपीट भी की गई। थाना पुलिस ने 3 घंटे बाद मौके पर पहुंचकर बंधक दरोगाओ को लोगों के पास से छुड़वाया। हालांकि इस मामले में अभी तक पुलिस ने कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया है, बल्कि सीओ सदर देहात पूरे मामले की जांच में जुटी है।

व्यापार जगत

शेयर बाजार में आ सकती है बड़ी गिरावट:FIIs ने ₹1।2 लाख करोड़ के शेयर बेचे,

पांच फैक्टर्स जो इस हफ्ते तय कर सकते हैं बाजार की चाल

एजेंसी | नई दिल्ली

4 नवंबर से शुरू होने वाले हफ्ते में शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल सकती है। इस हफ्ते कंपनियों के तिमाही नतीजे, ग्लोबल और डोमेस्टिक इकोनॉमिक डेटा सहित अन्य फैक्टर्स पर निवेशकों की नजर होगी। मार्केट एक्सपर्ट हरशुभ शाह के मुताबिक आने वाले दिनों में बाजार में

क्रैश आ सकता है, इसलिए अभी खरीदारी से बचना चाहिए। शाह ने मुहूर्त ट्रेडिंग के दिन भी निवेशकों को बाजार से दूर रने की सलाह दी थी। बीते हफ्ते बाजार 322 अंक चढ़कर बंद हुआ था। सेंसेक्स 25 अक्टूबर को 79402 के स्तर पर था जो 1 नवंबर को 79,724 पर आ गया। हालांकि निफ्टी फ्लैट बंद हुआ। ये 24,399 के स्तर से 24,304 पर आ गया।

1। कंपनियों के तिमाही नतीजे: SBI, टाटा मोटर्स रिजल्ट जारी करेंगी

इस हफ्ते टाइटन, डॉ। रेड्डीज, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, अपोलो हॉस्पिटल, एमएंडएम, ट्रेंट, एसबीआई, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट और डिविस लैब्स जैसी कंपनियां जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे जारी करेंगी।

तिमाही नतीजे कमजोर मांग के माहौल और मार्जिन प्रेशर के कारण प्रभावित हुए हैं। इसने एफएमसीजी, मेटल, ऑटो और रियल्टी को सबसे ज्यादा प्रभावित किया, जबकि आईटी अपेक्षाकृत स्थिर रहा।

2। भारतीय और विदेशी निवेशक: FIIs ने ₹14,000 करोड़ के शेयर बेचे

बीते हफ्ते फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (FIIs) ने लगभग 14,000 करोड़ के शेयर बेच दिए। हालांकि, उसी हफ्ते में, डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (DIIs) ने 10,000 करोड़ रुपए के शेयरों की खरीदारी की।

वहीं अक्टूबर महीने में विदेशी निवेशकों ने रिकॉर्ड 1।2 लाख करोड़ के शेयरों की बिक्री की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 1।07 लाख करोड़ की खरीदारी करके इस बिकवाली के दबाव का मुकाबला किया।

3। ग्लोबल फैक्टर्स:

अमेरिकी चुनाव और फेडरल रिजर्व की मीटिंग निवेशकों का फोकस 5 नवंबर को होने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव पर होगा। 7 नवंबर को अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मीटिंग भी है। इसमें ब्याज दरों में 0।25% की कटौती की जा सकती है। पिछली बैठक में, ब्याज दर 0।50% घटाकर 4।75%-5।0% कर दी थी।

4। टेक्निकल व्यू:

23,500 के स्तर तक गिर सकता है बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, निफ्टी 24,000-24,500 रेंज के भीतर कॉन्सोलिडेट कर रहा है। रेलिगेयर ब्रोकिंग के एसवीपी, रिसर्च अजीत मिश्रा ने कहा- निफ्टी अगर 24,500 को पार करता है तो 24,800 के स्तर तक जा सकता है।

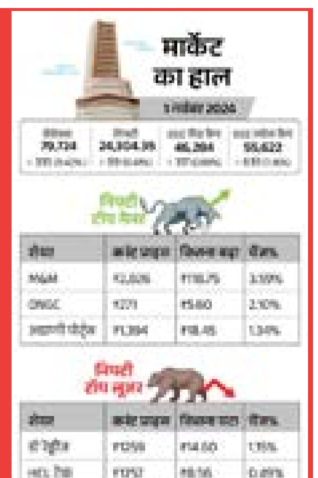

वहीं अगर 24,000 से नीचे जाने पर इंडेक्स में 23,500 का लेवल दिख सकता है। वेल्थ व्यू एनालिटिक्स के फाउंडर हरशुभ शाह ने भी बाजार में करेक्शन का अनुमान जताया है। उन्होंने निवेशकों को खरीदारी से बचने की सलाह दी है।

5। आईपीओ और लिस्टिंग:

5 नए IPO, 1 लिस्टिंग होगी मेनबोर्ड सेगमेंट में, स्विगी आईपीओ सहित चार नए पब्लिक इश्यू अगले हफ्ते खुलेंगे, जबकि एसएमई सेगमेंट में एक नया इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। वहीं एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 4 नवंबर को लिस्ट होंगे।

फॉक्सवैगन-मर्सिडीज जैसी दिग्गज कार कंपनियों को चीन में कड़ी चुनौती

एजेंसी | नई दिल्ली

ऑटोमोबाइल के सबसे बड़े बाजार चीन ने दुनियाभर की ऑटो इंडस्ट्री में तहलका मचा दिया है। यूरोप की फॉक्सवैगन, मर्सिडीज-बेंज, एस्टन मार्टिन, बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियों को अपनी पेट्रोल और ईवी कारें चीन में बेचने में पसीना आ रहा है। वहीं चीन अपनी सस्ती ईवी कारों की पैठ दुनियाभर में बढ़ाता जा रहा है। हालात ये हैं कि चीन में यूरोपीय कंपनियां दम तोड़ रही हैं। जर्मन कंपनी फॉक्सवैगन की चार दशक की बादशाहत ध्वस्त होने की कगार पर है। कंपनी की इस साल वहां बिक्री 10% से अधिक घटी है। कंपनी की 30% आय चीन से होती है, लेकिन जुलाई-सितंबर तिमाही में मुनाफा 64% तक गिर गया। कंपनी 87 साल में पहली बार जर्मनी में 3 कारखाने बंद करने जा रही है। चीन में भी प्रोडक्शन घटाना पड़ रहा है। ऑटो इंडस्ट्री में आए इस बदलाव का कारण चीन की आक्रामक नीति है। दरअसल चीन के सरकारी बैंक और अन्य सरकारी

उपक्रम स्थानीय ऑटो कंपनियों को भारी सब्सिडी दे रहे हैं। इससे लागत घट रही है। अल्फावैल्यू के एनालिस्ट एड्रियन ब्रासी के मुताबिक, सब्सिडी के चलते चीनी कारों की लागत 30% कम है। इलेक्ट्रिक कारें 50% तक छूट पर उतारी जा रही हैं। चीन में ऑटोमोबाइल निर्माताओं के संगठन सीएएएम के अनुसार, बीते साल 3 करोड़ से अधिक कारें बनीं। 52 लाख निर्यात हुईं। हालांकि, चीन का निर्यात उस प्रारंभिक स्थिति में है, जहां कोरियाई कंपनी ह्युंडई 70 के दशक में थी। चीन ने 2000 में ईवी पर शिफ्ट होने की आक्रामक नीति बनाई। उसे अहसास हो गया था कि वह पेट्रोल-डीजल कारों में अमेरिकी, जर्मन, कोरियाई, जापानी कंपनियों को मात नहीं दे पाएगा। ऑटो इंजीनियर से मंत्री बने वान गैंग ने 2009 से ईवी कंपनियों को सब्सिडी देनी शुरू की। 2022 तक 2।5 लाख करोड़ रु। से अधिक मदद दी गई। आज दुनिया की 50% से अधिक ईवी चीन में बिकती हैं। जैटो डायनेमिक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 से 2023 के बीच घरेलू बाजार के बाहर चीनी कारों की बिक्री 5।4 गुना बढ़ी। 2023 में, हल्के चीनी वाहनों की वैश्विक बिक्री अमेरिकी कंपनियों द्वारा पंजीकृत कुल 1,35,54,305 यूनिट्स तक पहुंच गई। इसमें सालाना 23% की वृद्धि देखी जा रही है। इसके विपरीत, अमेरिकी और यूरोपीय ब्रांड के हल्के वाहनों की बिक्री 9% बढ़ी, जबकि जापानी ब्रांड के हल्के वाहनों की बिक्री 6% बढ़ी। हालांकि बढ़ते टैरिफ के चलते यूरोप और अमेरिकी बाजारों में इस साल चीनी कारों की बिक्री में सुस्ती के संकेत हैं। जैटो के ग्लोबल एनालिस्ट फेलिफ मुनोज कहते हैं, 'यूरोप में चीनी ब्रांड की वृद्धि इस वर्ष के पहले कुछ महीनों में धीमी हो गई। इसके चलते चीनी ओईएम ने विकासशील और उभरती हुई इकोनॉमी पर फोकस किया है। 2022 से 2023 के बीच, मध्य पूर्व में चीनी कारों की हिस्सेदारी 12।9% से 16।8% हो गई। यूरेशिया में 12।4% से बढ़कर 33।3% हो गई। दक्षिण पूर्व एशिया-प्रशांत और अफ्रीका में भी 1।9 और 2।3% बढ़ गई।

SBI का मार्केट कैप ₹36,100 करोड़ बढ़ा, इंफोसिस टॉप लूजर रही

एजेंसी | मुंबई

मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 6 की वैल्यू बीते हफ्ते कंबाइंड रूप से 1।07 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। इस दौरान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) टॉप गेनर रही है। हफ्ते भर के कारोबार के बाद बैंक का मार्केट कैप 36,100 करोड़ रुपए बढ़कर 7।33 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। SBI के अलावा, ICICI बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, ITC और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप बढ़ा है। वहीं, इंफोसिस इस दौरान टॉप लूजर रही। कंपनी का मार्केट कैप 38,054 करोड़

रुपए कम होकर 7।31 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है। फ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार (1 नवंबर) को शेयर बाजार एक घंटे के स्पेशल महूर्त ट्रेडिंग के लिए शाम 6:0 बसे से 7:0 बजे तक ओपन हुआ था। सेंसेक्स 335 अंक की बढ़त के साथ 79,724 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 99 अंक की उछाल रही और यह 24,304 पर बंद हुआ। कारोबार के बाद सेंसेक्स के सभी 30 शेयरों में से 26 में तेजी रही, जबकि 4 में गिरावट रही। वहीं, निफ्टी के 50 में से 42 शेयरों में तेजी और केवल 8 में बढ़त देखने को मिली। हफ्तेभर के कारोबार के बाद मार्केट 321।83 अक या 0।40% चढ़ा। मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटल नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है। मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है, ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां। किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है। कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है, उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है।

पंत का अर्धशतक नहीं आया काम

वानखेड़े में तीसरे ही दिन भारत 25 रन से हारा, न्यूजीलैंड भारतीय सरजमीं पर 3-0 से सीरीज जीतने वाला पहला देश बना

एजाज की घूमती गेंदों के आगे टीम इंडिया ने घुटने टेके

'बहुत-बहुत खुश हूं। सीरीज की शुरुआत से लेकर इस स्थिति तक पहुंचने के लिए खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा काम किया है। मुंबई में इस जीत को हासिल करना और भी खास है। हम बल्ले और गेंद से मिली चुनौती से निपटने में सफल रहे।' -**टॉम लैथम, कप्तान, न्यूजीलैंड**

'दोपहर के सत्र में गेंद ज्यादा हरकत कर रही थी और इससे मुझे आत्मविश्वास मिला। पंत ने पूरी सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की। मुझे उन्हें आउट करने के लिए लीक से हटकर सोचना पड़ा और मैंने यह सुनिश्चित किया कि मैं एक नई योजना के साथ गेंदबाजी कर उनसे आगे रहूं।' -**एजाज पटेल, मैन ऑफ द मैच**

'भारत में एक जीत बड़ी बात थी लेकिन बार-बार जीतना बहुत बड़ी बात है। मैंने इसे सरल बनाए रखने की कोशिश की, कभी-कभी मुझे रक्षात्मक खेल पर भरोसा करने की जरूरत होती है और कभी-कभी मुझे तेजी से रन बनाने पर ध्यान देना होता था। इस दौरे पर टीम के साथ हमने जो यादें बनाई है वह हमारे साथ रहेगी। हम एक दूसरे के साथ का लुत्फ उठाते हैं।' -**विल यंग, मैन ऑफ द सीरीज**

43 गेंद में गंवाए पांच विकेट

इस शर्मनाक हार के लिए भारतीय टीम ही दोषी है। लक्ष्य बड़ा नहीं था लेकिन उसने जल्दबाजी दिखाई। उसके शीर्ष पांच बल्लेबाज 43 गेंद में मात्र 29 रन पर पवेलियन लौट चुके थे। यह सभी विकेट उसने मात्र 16 रन जोड़कर गंवा दिए। यह पिछले 26 साल में टीम का सबसे खराब प्रदर्शन है। इससे पहले उसने 1998 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ही मोहाली में 50 गेंद में शीर्ष छह में से पांच विकेट गंवाए थे।

एजाज ने पलटा पासा

लंच के बाद जीत के लिए 55 रन चाहिए थे और उसके चार विकेट शेष थे। भारत की नैया पार लगाने की जिम्मेदारी पंत के कंधों पर था लेकिन उनके विवादास्पद तरीके से आउट होने के बाद मैच का रुख न्यूजीलैंड की तरफ मुड़ गया। न्यूजीलैंड ने एजाज की गेंद पर विकेट के पीछे कैच की अपील की जिसे अंपायर ने ठुकरा दिया। कीवी टीम ने रिव्यू लिया। रिप्ले से स्पष्ट नहीं हो रहा था कि गेंद बल्ले या दस्ताने को स्पर्श करके गई है लेकिन तीसरे अंपायर ने उन्हें आउट दे दिया। उन्होंने जडेजा (6) के साथ छठे विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी की। एजा की गेंद पर यंग ने शॉर्ट लेग पर शानदार कैच लेकर जडेजा को पवेलियन का रास्ता दिखाया।

दोपहर संवाददाता | मुंबई

बेंगलुरु और पुणे के बाद भारतीय टीम वानखेड़े में भी चारों खाने चित हो गई। शीर्ष क्रम की नाकामी का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के तीसरे दिन रविवार को ऋषभ पंत को छोड़कर बाकी बल्लेबाजों ने एजाज पटेल और ग्लेन फिलिप्स की घूमती गेंदों के आगे बुरी तरह से घुटने टेक दिए। टीम 147 रन का भी बचाव नहीं कर पाई और 29.1 ओवर में 121 रन पर लुढ़क गई। नतीजा 25 रन की हार के साथ भारतीय टीम पहली बार घर में तीन मैचों की सीरीज में सूपड़ा साफ करवा बैठी। इससे पहले भारतीय टीम को घर में 2000 में दक्षिण अफ्रीका के हाथों दो मैच की सीरीज में 0-2 से और इंग्लैंड से 1980 में 1-0 से हार झेलनी पड़ी थी।

पंत का साहस नहीं आया काम

न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 174 रन बनाकर भारत को जीत के लिए 147 रन का लक्ष्य दिया। यह स्कोर टीम के लिए पहाड़ जैसा बन गया। पंत (64) की साहासिक पारी भी टीम को 0-3 से क्लीन स्वीप से नहीं बचा पाई। सात खिलाड़ी तो दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंचे। पंत के अलावा सुंदर (12) और रोहित (11) ने दहाई का आंकड़ा पार किया। पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले एजाज ने दूसरी में छह और ग्लेन फिलिप्स ने तीन विकेट झटके

उल्टा पड़ा दांव

भारतीय टीम का हाल में घरेलू मैदानों पर शानदार रिकॉर्ड रहा है। इस सीरीज में कीवियों के सामने उसकी एक नहीं चली। मेहमान टीम ने परिस्थितियों से अच्छी तरह सामंजस्य बिठाकर खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया। भारत का स्पिनरों को मदद पहुंचाने वाली पिच तैयार करने का दांव उल्टा पड़ गया।

डब्ल्यूटीसी तालिका में दूसरे स्थान पर खिसकी टीम

हार के बाद टीम इंडिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में शीर्ष से दूसरे स्थान पर खिसक गई। डब्ल्यूटीसी के मौजूदा चक्र में यह भारत की यह पांचवीं हार है। इससे उसके अंक प्रतिशत (पीसीटी) में बड़ी गिरावट आई। टीम का अंक प्रतिशत 62.82 से खिसक कर 58.33 हो गया। मौजदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया (62.50) शीर्ष पर है। न्यूजीलैंड (54.55 पीसीटी) चौथे स्थान पर पहुंच गया है। श्रीलंका (55.56 पीसीटी) तीसरे स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका (54.17 पीसीटी) पांचवें स्थान पर है।

रोहित का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में खेलना संदिग्ध

दोपहर संवाददाता | मुंबई

रोहित का निजी कारणों से इस महीने के अंत में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में खेलना संदिग्ध है। भारतीय कप्तान ने रविवार को कहा कि वह इस मैच में खेलने की पूरी उम्मीद लगाए हैं। भारतीय टीम 22 नवंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए तैयार है। रोहित ने कहा, मुझे नहीं पता कि मैं जाऊंगा या नहीं, लेकिन उम्मीद लगाए हूं। अगर रोहित पहले टेस्ट में नहीं खेल पाते हैं तो उप कप्तान जसप्रीत बुमराह टीम की अगुआई करेंगे। अभिमन्यु ईश्वरन उनके कवर के तौर पर खेल सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया को 4-0 से हराना होगा

टीम इंडिया की लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की राह काफी कठिन हो गई है। उसे अगर फाइनल में पहुंचना है तो बचे पांच मैच में से ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में 4-0 से हराना होगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया को सात मैच में से पांच में जीत दर्ज करनी होगी।

लियाम का शतक, इंग्लैंड ने सीरीज बराबर की

एजेंसी | नॉर्थ साउंड (एंटीगा)

कप्तान लियाम लिविंगस्टोन के वनडे में पहले शतक (124) और सैम कुरेन (52) के साथ उनकी 140 रन की साझेदारी से इंग्लैंड में दूसरे वनडे क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को 15 गेंद रहते पांच विकेट से हरा दिया। शनिवार रात इस जीत से मेहमान टीम ने तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। तीसरा और निर्णायक मैच बुधवार को ब्रिजटाउन, बारबाडोस

में खेला जाएगा। वेस्टइंडीज ने पहले 50 ओवर में छह विकेट पर 328 रन बनाए। इंग्लैंड ने 47.3 ओवर में पांच विकेट पर 329 रन बनाकर जीत दर्ज की। टीम की जीत में फिल साल्ट (59)और जैकब बेथेल (55) ने अर्धशतकीय पारी से योगदान दिया। लिविंगस्टोन ने पांच चौके और नौ छक्के लगाए जिससे इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज में दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने में सफल रही।

सियोल ओपनः साकेत-रामकुमार को युगल खिताब

एजेंसी | सियोल (दक्षिण कोरिया)

साकेत माइनेनी और रामकुमार रामनाथन की भारतीय जोड़ी ने सियोल ओपन टेनिस में पुरुष युगल का खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को फाइनल में उन्होंने अमेरिका के वासिल किरकोव और नीदरलैंड्स के बार्ट स्टीवंस की जोड़ी को हरा दिया। भारतीय जोड़ी ने 6-4, 4-6, 10-3 से जीत दर्ज की। यह भारतीय जोड़ी का चौथा एटीपी चैलेंजर खिताब है। इससे पहले सेमीफाइनल में साकेत-रामकुमार ने दक्षिण कोरिया के नाम जी सुंग और ग्रेट ब्रिटेन के जोशुआ पेरिस को हराया था।

मायनेनी और रामनाथन ने पहले दौर में कोलंबिया के दूसरे वरीय क्रिस्टियन रोड्रिग्ज और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू रोमियोस को और फिर क्वार्टर फाइनल में कोरियाई वाइल्ड कार्ड जियोंग योंगसोक और पार्क उइसुंग को हराया था।

दीक्षा संयुक्त 29वें स्थान पर, हुल को खिताब

एजेंसी | रियाद

भारतीय महिला गोल्फर दीक्षा डागर रविवार को यहां अरामको टीम सीरीज में संयुक्त 29वें स्थान पर रहीं जबकि चार्ले हुल ने अंतिम दौर में 66 के कार्ड से खिताब अपने नाम किया। दीक्षा ने अंतिम दौर में हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ स्कोर तीन अंडर 69 बनाया जिससे वह टूर्नामेंट में संयुक्त 29वें स्थान पर रहीं जबकि प्रणवी उर्स (76) संयुक्त44वें स्थान पर खिसक गईं। दीक्षा ने अंतिम दौर में चार बर्डी और एक बोगी जबकि प्रणवी ने एक बर्डी लगाई और पांच बोगी कर बैठीं।

डब्ल्यूटीए फाइनल्सः सबालेंका पाओलिनी का विजयी आगाज

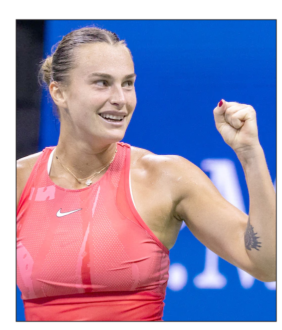

एजेंसी | रियाद

शीर्ष वरीय आर्यना सबालेंका ने सऊदी अरब में साल के अंत में होने वाले टूर्नामेंट डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपने पर्पल ग्रुप के पहले मैच में झेंग क्विनवेन पर जीत दर्ज की। सबालेंका शनिवार को 6-3, 6-4 से जीतीं और चीन की खिलाड़ी के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 5-0 कर दिया। इससे सबालेंका साल का अंत शीर्ष पर करने की ओर बढ़ रही हैं। बेलारूस की खिलाड़ी को नंबर एक रैंकिंग बरकरार रखने के लिए तीन ग्रुप मैच में से केवल दो जीतने की जरूरत है। चौथी वरीयता प्राप्त इटली की जैस्मीन पाओलिनी ने इसी ग्रुप में अपने पहले मैच में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना को 7-6(5), 6-4 से शिकस्त दी।

ऋतिक रोशन ला रहे 'आई एम लीजेंड' का हिंदी रीमेक

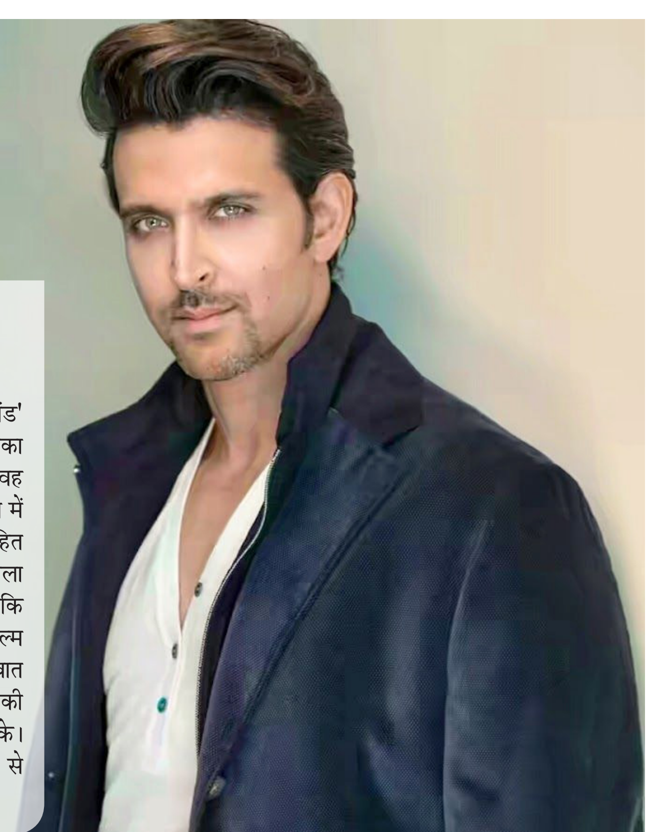

ऋतिक रोशन ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है। अपनी पहली ही फिल्म 'कहो ना प्यार है' से दर्शकों का दिल जीतते आ रहे ऋतिक जहां एक ओर 'वॉर 2' को लेकर चर्चा में हैं, वहीं अब उनकी नई फिल्म को लेकर भी सुगबुगाहट तेज हो गई है। दरअसल, खबर है कि ऋतिक हॉलीवुड स्टार विल स्मिथ की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'आई एम लीजेंड' का हिंदी संस्करण लेकर आ रहे हैं।

ऋतिक ने फिल्म बनाने के लिए राइट्स भी खरीद लिए

ऋतिक 2007 में आई स्मिथ की हॉलीवुड फिल्म 'आई एम लीजेंड' का हिंदी रूपांतरण दर्शकों के बीच पेश करने वाले हैं। उन्होंने इसका देसी वर्जन बनाने के लिए अधिकार भी हासिल कर लिए हैं और वह ऋतिक खुद अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले फिल्म को बनाने में सक्रिय रूप से जुड़े हैं। अभिनेता इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित और गंभीर हैं। वह प्रभावी तरीके से बॉलीवुड में जॉम्बी थीम वाला सिनेमा लाने को उत्सुक हैं। इससे पहले जून में खबर आई थी कि ऋतिक ने 'बजरंगी भाईजान' के निर्देशक कबीर खान से इस फिल्म पर चर्चा की है। हालांकि, रचनात्मक मतभेदों के चलते उनसे बात नहीं बन पाई। तभी से ऋतिक इसके लिए एक बेहतरीन निर्देशन की तलाश में हैं, जो इस दमदार फिल्म के साथ पूरा इंसाफ कर सके। हाल ही में ऋतिक ने इस सिलसिले में एक मशहूर निर्देशक से बातचीत की है। हालांकि, निर्देशक का नाम सामने नहीं आया है।

शाहरुख खान ने धूम्रपान छोड़ा

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खा ने अपने जन्मदिन पर प्रशंसकों को यह बताकर चौंका दिया कि उन्होंने धूम्रपान छोड़ दिया है। उन्होंने कभी एक दिन में 100 सिगरेट पीने की बात स्वीकार की थी। शाहरुख खान ने शनिवार को अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में प्रशंसकों के साथ मीट-एंड-ग्रीट कार्यक्रम के दौरान प्रशंसकों के साथ रोमांचक खबर साझा की।

शाहरुख खान यूनिवर्स नामक उनके फैन पेज द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, शाहरुख को यह बड़ा खुलासा करते हुए देखा जा सकता है कि उन्होंने साझा किया कि वह 'अब धूम्रपान नहीं करते हैं। खान ने उत्साही भीड़ से कहा, यह अच्छी बात है- मैं अब धूम्रपान नहीं करता, दोस्तों। अपने फैसले पर आगे बोलते हुए, अभिनेता ने स्वीकार किया कि उन्हें धूम्रपान छोड़ने के बाद सांस फूलने की समस्या कम होने की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने कहा कि वह अभी भी बदलाव के साथ तालमेल बिठा रहे हैं। खान ने समायोजन अवधि को स्वीकार करते हुए कहा, मुझे लगा था कि मुझे इतनी सांस फूलने वाली नहीं लगेगी, लेकिन अभी भी महसूस कर रहा हूं। उन्होंने आशावादी बने रहते हुए कहा, इंशाअल्लाह, वो भी ठीक हो जाएगा।

'भूल भुलैया 4' का हो गया ऐलान

कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया 3' को भले ही समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली हो, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म खूब कमाई कर रही है। हाल ही में कार्तिक की मां का एक वीडियो सामने आया, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें अपने बेटे की फिल्म देखने के लिए टिकट तक नहीं मिल रहे हैं। अब फिल्म के निर्देशक ने 'भूल भुलैया 3' और इसकी सफलता पर खुलकर बात की। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

कामयाबी को सिर नहीं चढ़ने देते अनीस

अनीस ने फिल्म की बंपर ओपनिंग पर कहा, 'मैं कामयाबी को सिर नहीं चढ़ने देता और नाकामी को दिल से नहीं लगाता। 'भूल भुलैया 3' हमने बहुत दिल से बनाई और हमें खुशी है कि हमारी पूरी टीम की मेहनत रंग ला रही है। मैंने हिंदी सिनेमा में बचपन से लेकर आज तक अपना जीवन बिताया है। मैं ऊपरवाले का शुक्रगुजार हूं, क्योंकि पता नहीं कैसे मुझे बदलते वक्त की नब्ज का अंदाजा हो ही जाता है।' फिल्म की अगली किस्त पर अनीस बोले, 'हां, हमारी टीम के पास फिल्म 'भूल भुलैया 3' के आगे की भी कहानी है। दर्शकों के प्यार के आगे हम सब नतमस्तक हैं। इस फिल्म के नतीजे ये तय कर चुके हैं कि 'भूल भुलैया 4' भी हमें बनानी है। जब हमने फिल्म शुरू की थी, तभी से हमें बहुत अच्छा लग रहा था। मैं माहौल और कलाकारों को देख तभी समझ गया था कि हमारी फिल्म बिलकुल सही रास्ते पर है।'

मशहूर फिल्म निर्देशक गुरुप्रसाद ने की आत्महत्या, कर्ज ने ली जान

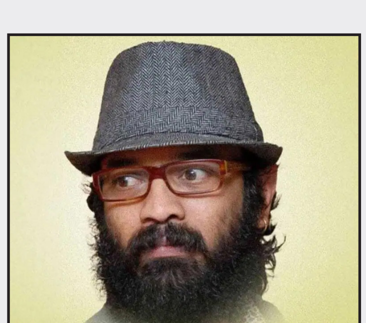

मनोरंजन जगत से जुड़ी एक बुरी खबर सामने आ रही है। दरअसल, जाने-माने कन्नड़ निर्देशक और अभिनेता गुरुप्रसाद ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने अपने घर के पंखें से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी है। कर्नाटक के मदनैयाकनहल्ली इलाके में उनके घर में उनके पार्थिव शरीर सड़ी-गली अवस्था में मिला है। इस खबर से कन्नड़ सिनेमा में शोक की लहर दौड़ पड़ी है।

52 की उम्र में की आत्महत्या

कन्नड़ निर्देशक गुरुप्रसाद ने 52 की उम्र में आत्महत्या कर ली है। इस खबर से प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है। लोगों को विश्वास नहीं हो रहा है कि निर्देशक गुरुप्रसाद ऐसा कदम उठा सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुप्रसाद ने घर के पंखे से लटककर अपनी जान दी है। उनके घर में उनका पार्थिव शरीर बहुत बुरी अवस्था में मिला है। सोशल मीडिया पर सितारे और उनके प्रशंसक उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। पुलिस गुरुप्रसाद के मृत्यु के समय और परिस्थितियों की पुष्टि करने के लिए जांच कर रही है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, पड़ोसियों ने उनके घर से दुर्गंध आने पर पुलिस को सूचना दी। जांच करने पर अधिकारियों ने पाया कि निर्देशक ने कुछ दिन पहले आत्महत्या कर ली थी। रिपोर्ट्स की मानें तो उन्होंने ऐसा कदम कर्ज में डूबने के कारण उठाया है। लंबे समय से वह कठिनाइयों का सामना कर रहा थे।

मुंबई, सोमवार, 4 नवंबर 2024

नामांकन वापसी का आखिरी दिन आज

रणनीति

मराठवाड़ा से निकलती है सत्ता की चाबी!

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की लड़ाई आक्रामक रुख ले चुकी हैं। सत्ता में बने रहने के लिए महायुति हर तिकड़म कर रही है, लेकिन इस इलाके में उसकी दाल नहीं गल रही है। भाजपा की पूरी चाणक्य नीति इस इलाके में फेल हो चुकी है। पार्टी ने सीएम एकनाथ शिंदे को यहां का चक्रव्यूह भेदने की जिम्मेदारी दी थी लेकिन वो भी कुछ करते नहीं दिख रहे हैं। हम बात कर रहे हैं राज्य के सबसे अहम इलाके मराठवाड़ा की। इस वक्त यह इलाका महाराष्ट्र का सबसे उग्र क्षेत्र है। यहीं पर बीते साल मराठा आरक्षण की मांग को लेकर आग भड़की थी। इसके नेता मनोज जरांगे हैं। मनोज जरांगे से मिलने खुद मुख्यमंत्री शिंदे जलाना गए थे। जरांगे ओबीसी आरक्षण के भीतर मराठा समुदाय को शामिल करने की मांग कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र की कुल आबादी में मराठों की संख्या करीब 28 फीसदी है। मराठा आरक्षण की आग भड़कने के बाद महायुति की सरकार ने इसी साल फरवरी में इस समुदाय के लिए अलग से 10 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की थी। लेकिन, ये सारे उपाय इस इलाके में महायुति को कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा पाए।

इलाके में भाजपा साफ

मराठवाड़ा इलाके में लोकसभा की आठ और विधानसभा की 46 सीटें हैं। बीते लोकसभा चुनाव की बात करें तो इन आठ में से तीन पर कांग्रेस, तीन पर शिवसेना उद्धव गुट और एक पर एनसीपी शरद गुट के उम्मीदवार विजयी हुए। बची हुई एक सीट शिवसेना शिंदे गुट को मिली। विधानसभा में राज्य की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा इस इलाके में अपना खाता खोलने में विफल रही।

2019 का विधानसभा

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो उस वक्त भाजपा को अच्छी सफलता मिली थी। उसे यहां की 46 सीटों में से 16 और शिवसेना एकीकृत को 12 सीटें मिली थीं। उस चुनाव में कांग्रेस को आठ, एनसीपी एकीकृत को आठ को और अन्य को दो सीटें मिली थीं।

कांग्रेस का गढ़ मगर...

यह इलाका कभी कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था। इस इलाके में आठ जिले हैं। ये हैं- छत्रपतिशिवाजी नगर (औरंगाबाद), बीड़, हिंगोली, जालना, लातुर, नांदेड़, परभणी और धराशिव। इस इलाके से कांग्रेस पार्टी ने राज्य को चार मुख्यमंत्री दिए हैं। ये हैं शिवाजीराव पाटिल, शंकरराव चव्हाण, विलासराव देशमुख और अशोक चव्हाण। बीते लोकसभा चुनाव से पहले अशोक चव्हाण ने भाजपा का दामन थाम लिया। लेकिन, राम मंदिर आंदोलन और बाद की राजनीति में यहां भाजपा अपनी जगह बनाने में कामयाब हुई।

मुस्लिम आबादी

इस इलाके में मराठाओं के साथ-साथ मुस्लिम आबादी भी ठीकठाक है। इन सीटों पर करीब 15 फीसदी मुस्लिम वोटर्स हैं। यह इलाका आजादी से पहले हैदराबाद के निजाम के क्षेत्र में आता था। 2019 के विधानसभा में इस इलाके में शिवसेना-भाजपा गठबंधन को शानदार जीत मिली थी।

कोटा आंदोलन ने बदली तस्वीर

बीते साल मराठा आरक्षण की आग भड़कने के बाद इलाके में भाजपा की हालत पतली हो गई। इलाके में मराठा लोगों की मजबूत पकड़ है। आप इनकी अहमियत इसी से समझ सकते हैं कि इलाके की आठ लोकसभा सीटों में से सात पर मराठा समुदाय के नेता सांसद हैं, जबकि एक सीट लातुर आरक्षित है।

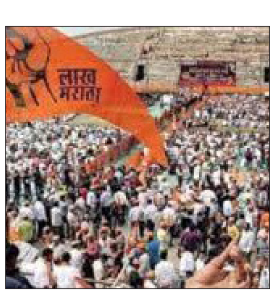

मराठा, मुस्लिम और दलित

बीते लोकसभा चुनाव में इलाके में मराठा, मुस्लिम और दलित मतदाताओं ने महायुति की सरकार के विरोध में मतदान किया। इसका नतीजा यह हुआ की बीड़ जैसी सीट पर भाजपा हार गई। बीड़ वही सीट है जहां पार्टी के दिग्गज ओबीसी नेता दिवंगत गोपीनाथ मुंडे जीतते थे। बीते चुनाव में उनकी बेटी पंकजा मुंडे मैदान में थीं लेकिन उनको हार का मुंह देखना पड़ा।

किसानों का इलाका

मराठवाड़ा एक खेती-किसानी वाला इलाका है। यहां की 65 फीसदी आबादी खेती पर निर्भर है। इलाके में पानी की कमी है। सूखा प्रभावित इलाका है। किसान आत्महत्या इलाके की बड़ी समस्या है।

विश्लेषण

अमित बृज

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से नाम वापस लेने का सोमवार को आखिरी दिन है। इसके साथ ही सोमवार शाम तक यह साफ हो जाएगा कि मुंबई सहित महाराष्ट्र की विभिन्न विधानसभा सीटों पर कितने उम्मीदवार चुनाव रण में शेष बचे हैं। कई सीटों पर बागी नेताओं के उतरने से एनडीए और इंडिया गठबंधन के दो प्रत्याशी मैदान में नजर आ रहे हैं, जिसके चलते दोनों ही गठबंधनों की सियासी टेंशन बढ़ गई है। बीजेपी से जिन बागियों ने अपना नामांकन दाखिल किया है, उसमें एक बड़ा नाम गोपाल शेट्टी का है। उन्होंने मुंबई के बोरीवली विधानसभा क्षेत्र से ताल ठोक दिया है। बीजेपी के बाला भेगडे को भी टिकट नहीं मिला तो वो निर्दलीय मैदान में उतर गए हैं। बीजेपी का दावा है कि सभी निर्दलीय समय पर बैठ जाएंगे।

पचोरा सीट से बीजेपी के अमोल शिंदे बगावत के रास्ते पर

पचोरा सीट से बीजेपी के अमोल शिंदे बगावत कर निर्दलीय मैदान में उतर गए हैं। मुंबा देवी सीट से बीजेपी के नेता अतुल शाह ने बागी रुख अपनाते हुए निर्दलीय मैदान में उतर गए हैं। बुलढाणा सीट से बीजेपी नेता विजयराज शिंदे ने निर्दलीय ताल ठोक दी है। मेहकर सीट से बीजेपी के नेता प्रकाश गवई ने निर्दलीय नामांकन दाखिल कर दिया है। ओवला माजीवाडा से बीजेपी के डिप्टी मेयर रहे हसमुख गहलोत बगावत कर मैदान में उतर गए हैं। पैठण सीट पर बीजेपी के नेता सुनील शिंदे बगावत कर उतर गए हैं। जालनाया सीट पर बीजेपी नेता भास्कर दानवे बगावत कर उतर गए। सिल्लोड सीट पर बीजेपी के सुनील मिरकर बगावत कर चुनाव मैदान में उतरे हैं।

बागी बने बड़ी चुनौती, काट खोजने में जुटे MVA और महायुति के नेता

9 सीटों पर एनसीपी के खिलाफ उतरे बीजेपी के नेता

करीब 9 सीटों पर अजित पवार की एनसीपी के प्रत्याशी के खिलाफ बीजेपी के नेता उतर गए हैं। इसमें अहेरी सीट पर बीजेपी के अंबरीश आत्राम ने ताल ठोक दिया है। अमलनेर सीट पर बीजेपी के शिरीष चौधरी उतर गए हैं। इसी तरह अमरावती सीट पर जगदीश गुप्ता निर्दलीय उतर गए हैं। वसमत सीट पर बीजेपी के मिलिंद अंबाल चुनाव मैदान में उतर गए हैं। पथरित से बीजेपी के रंगनाथ सोलंके, जुन्नार सीट पर बीजेपी की आशा बुचके उतर गई है। मावल सीट पर बीजेपी के बाला भेगडे निर्दलीय उतर गए हैं। उदगीर सीट पर बीजेपी के दिलीप गायकवाड़ ने ताल ठोक दी है। कलवान सीट पर रमेश थोराट ने चुनावी ताल ठोक दी है। कुल मिलाकर महाराष्ट्र एनडीए में 35 सीटों पर बगावत हुई है।

शिंदे सेना के उम्मीदवारों के खिलाफ बीजेपी के 9 बागी

बीजेपी उम्मीदवारों के खिलाफ शिंदे सेना के 9 बागी, एनसीपी उम्मीदवारों के खिलाफ बीजेपी के 9 बागी मैदान में हैं। एनसीपी उम्मीदवारों के खिलाफ 7 नेताओं ने शिंदे सेना ने की बगावत की है। शिंदे सेना के उम्मीदवार के खिलाफ एनसीपी का एक बागी मैदान में है।

सावंतवाडी सीट विशाल पारबा ने बढ़ाई टेंशन

सावंतवाडी सीट पर बीजेपी के विशाल पारबा बागी होकर उतर गए हैं। घनसावंगी सीट पर बीजेपी के सतीश घाटगे बागी उतरे हैं। कर्जत सीट से बीजेपी की किरण ढाकरे निर्दलीय उतर गए हैं। हालांकि राजनीतिक दलों का मानना है कि 288 विधानसभा वाली सीटों में बागी बहुत असर नहीं डालते छोटे राज्यों में इसका असर होता है।

चुनावी चकल्लस

» नीलम रामअवध

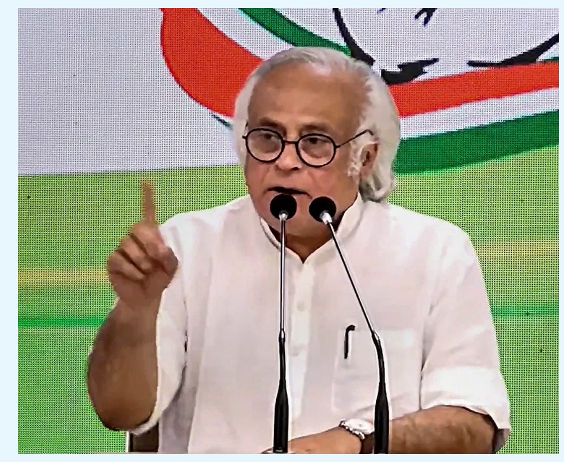

महाराष्ट्र में किसान सबसे उपेक्षित : कांग्रेस

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में किसान सबसे ज्यादा उपेक्षित हैं। राज्य की सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने उनसे किए गए बड़े-बड़े वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। रमेश ने कहा कि महायुति गठबंधन विश्वासघात के आधार पर बना है। राज्य की जनता वादे पूरे नहीं करने के लिए उन्हें माफ नहीं करेगी। एक्स पर अपने पोस्ट में कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 2019 में महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मराठवाड़ा से एक जल ग्रिड के लिए 25 हजार करोड़ के पैकेज का वादा किया था। कहा गया था कि इससे हर गांव में पाइप से पीने का पानी पहुंचाया जाएगा। रमेश ने कहा कि इस साल गर्मियों में इस वादे के पांच साल पूरे हो गए और यह मराठवाड़ा में सबसे अधिक पानी की कमी वाले वर्षों में से एक था।

संविधान की रक्षा मुख्य लड़ाई : कांग्रेस नेता राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि आज देश में प्रमुख लड़ाई संविधान की रक्षा और संरक्षण के लिए है। उन्होंने कहा कि देश का संविधान नफरत से नहीं, बल्कि विनम्रता और प्रेम से लिखा गया था। राहुल वायनाड लोकसभा सीट से उपचुनाव लड़ रही प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए मनंतवडी में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह प्रेम और नफरत के बीच की लड़ाई है। आत्मविश्वास और असुरक्षा के बीच की लड़ाई। उन्होंने अपनी बहन की खूबियों का जिक्र किया।

विजय की पार्टी एक राष्ट्र एक चुनाव के खिलाफ

अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने रविवार को अपनी कार्यकारिणी और जिला सचिवों की बैठक की। इसमें विभिन्न मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और डीएमके के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की निंदा समेत 26 प्रस्ताव पारित किए गए।

पार्टी ने प्रस्ताव में केंद्र के एक राष्ट्र एक चुनाव का विरोध और डीएमके के सरकार कानून-व्यवस्था और वित्तीय व्यवस्था की निंदा की।

वीआईपी सीट रिपोर्ट कार्ड

घाटकोपर वेस्ट विधानसभा सीट

दल को नहीं बल्कि उम्मीदवार के चेहरे पर पड़ेंगे वोट

» धीरज सिंह

महाराष्ट्र की वीआईपी सीटों की बात करें तो घाटकोपर वेस्ट विधानसभा क्षेत्र इनमें से एक है। इस विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने राम कदम को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। वहीं शिवसेना (यूबीटी) ने घाटकोपर पश्चिम सीट के लिए संजय भालेराव को उम्मीदवार नामित किया है।

एनसीपी का गढ़ है ये सीट

घाटकोपर वेस्ट विधानसभा सीट 2008 परसीमन के बाद बना। 2009 से ये विधानसभा क्षेत्र अस्तित्व में है। घाटकोपर पश्चिम विधानसभा मुंबई उपनगरीय जिले और मुंबई उत्तर पूर्व लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है। 2009 में कुल मतदाताओं की संख्या 305,516 थी। जिसमें से पुरुष 175,681 और महिला वोटर्स की संख्या 129,835 थी।

प्रभावी रहते हैं ये मुद्दे

घाटकोपर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में कई स्थानीय मुद्दे हैं जो चुनाव के परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं। यहां बुनियादी ढांचे का विकास, यातायात की समस्या, जलभराव, और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दे प्रमुख हैं। इन मुद्दों पर उम्मीदवारों की राय और उनके समाधान के वादे मतदाताओं को प्रभावित कर सकते हैं। राम कदम ने पिछले चुनावों में क्षेत्र के विकास के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें सड़कों का निर्माण, सार्वजनिक सुविधाओं का विस्तार और नागरिक सेवाओं में सुधार शामिल हैं।

2019 विधानसभा चुनाव का परिणाम

क्रम	उम्मीदवार	पार्टी	कुल वोट
1	राम कदम	बीजेपी	70,263
2	संजय भालेराव	निर्दलीय	41,474
3	गणेश चुक्कल	मनसे	15,019
4	आनंद शुक्ला	कांग्रेस	9,305
5	नोटा	नॉट ऑफ द एबव	2,279

2014 विधानसभा चुनाव का परिणाम

क्रम	उम्मीदवार	पार्टी	कुल वोट
1	राम कदम	बीजेपी	80,343
2	सुधीर मोरे	शिवसेना	38,427

डीबीडी एक्सप्लेनर

आंकड़ों पर गौर फरमाएं तो, हम देख पाएंगे कि घाटकोपर वेस्ट विधानसभा सीट पर अभी तक कुल 3 बार चुनाव हुआ है। जिसमें से दो बार बीजेपी ने जीत दर्ज की है। वहीं एक बार मनसे जीती है। इन सब में जो सबसे दिलचस्प है वो ये है कि अलग-अलग पार्टी से तीनों बार एक ही उम्मीदवार यहां का नेता चुना गया। मौजूदा विधायक राम कदम ही तीनों बार यहां से विधायक बने। इस हिसाब से देखें तो इस सीट पर पार्टी से ज्यादा उम्मीदवार मायने रखता है। फिलहाल, 2024 में जनता महायुति या महाविकास के उम्मीदवार को अपना ने ता किसे चुनेगी ये तो 23 नवंबर को चुनाव परिणाम आने के बाद ही पता चल जाएगा। वैसे महायुति का पलड़ा यहां भारी है।

राजनीतिक इतिहास

घाटकोपर पश्चिम विधानसभा सीट का राजनीतिक इतिहास काफी दिलचस्प रहा है। 2009 में इस सीट पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के राम कदम ने जीत हासिल की थी। राम कदम ने MNS के टिकट पर चुनाव लड़कर यह साबित किया कि उस समय राज ठाकरे की पार्टी को मुंबई में एक विशेष समर्थन प्राप्त था। हालांकि, 2014 के चुनावों में राम कदम ने भारतीय जनता पार्टी (BJP) का दामन थामा और भाजपा के टिकट पर इस सीट से फिर से जीत दर्ज की। इस चुनाव में उन्होंने अपनी पिछली जीत को दोहराया और घाटकोपर पश्चिम में भाजपा का प्रभाव मजबूत किया। 2019 के विधानसभा चुनाव में भी राम कदम ने भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा और लगातार तीसरी बार इस सीट से विजयी रहे।